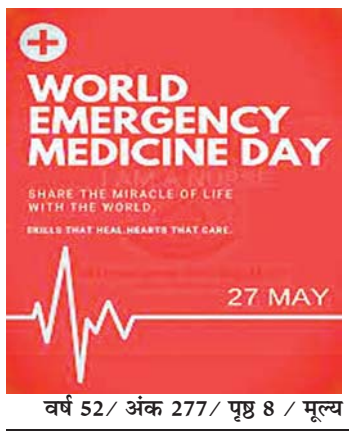

दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 277/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

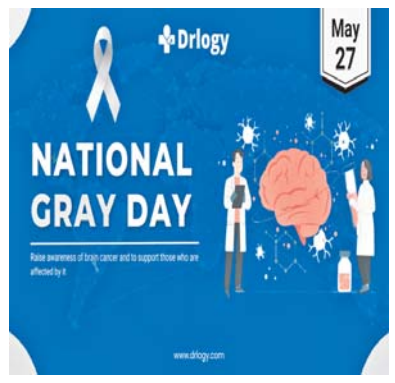

भोपाल, शनिवार 27 मई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

जबलपुर में देर रात एनआईए की छापेमार कार्रवाई, कई ठिकानों पर रेड, इलाके सील, हिरासत में कई लोग

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को देर रात राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ छापेमारी की है। एनआईए की टीम कई मामलों में आरोपित अब्दुल रज्जाक के साथी मकसूद कबड्डी और आहट अल्लाह अंसारी अधिवक्ता के घर पहुंची है। बताया जा रहा है कि, बड़ी ओमती इलाके को पुलिस ने सील कर दिया है। छोटी ओमती इलाके में एडवोकेट आहद उल्लाह अंसारी के घर पर छापे के दौरान तनाव की स्थिति बन गई।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आतंकी फंडिंग मामले की चल रही जांच के तहत जबलपुर में छापेमारी की है। एनआईए ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। एनआईए की टीम ने तीन अलग-अलग ठिकानों पर कार्यवाही की है। मिली जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि एनआईए ने जिन ठिकानों पर कार्रवाई की है वह सभी ठिकाने अब्दुल रज्जाक से संबंधित है। भोपाल और दिल्ली से आई टीम न्यायालय से सर्च वारंट लेकर पहुंचीं।

टीम ने कार्यवाही करते हुए यहां से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा प्राप्त किया है। पुलिस ने बड़ी ओमती इलाके को सील कर दिया है। जांच एजेंसी को मौके पर आपत्तिजनक दस्तावेज मिलने की भी जानकारी सामने आई है। छापेमारी से पहले जांच एजेंसी पूरी तैयारी के साथ वकील के ठिकाने पर पहुंची थी और वहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। रेड हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक, मकसूद कबादी और उल्लाह अंसारी के ठिकानों पर हुई।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Karnataka Chief Secretary Vandita Sharma not changed in new Government
(WE SAID THIS ON MAY 20, 2023)
Vandita Sharma Chief Secretary Karnataka to continue?
Present Chief Secretary Vandita Sharma is likely to continue as Chief Secretary of Karnataka. A 1986 batch IAS officer Vandita Sharma is scheduled to retire in November.

पहलवानों के समर्थन में उतरे बाबा रामदेव, कहा- बृजभूषण को तुरंत करें गिरफ्तार

नई दिल्ली। पिछले एक महीने से दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों को अब कई लोगों का समर्थन मिल रहा है। कई लोग आगे आकर पहलवानों का खुलकर समर्थन कर रहे है। इसी कड़ी में अब पहलवानों को योग गुरू बाबा रामदेव ने भी समर्थन दिया है। पहलवानों के समर्थन में बाबा रामदेव ने एक बड़ा बयान दिया है।

बाबा रामदेव ने कहा कि, कुश्ती संघ के मुखिया को पकड़कर फौरन जेल में डाल देना चाहिए। बाबा रामदेव ने कहा कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप हैं। उनकी तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह रोज बहन, बेटियों के बारे में बकवास करता रहता है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर दुराचार व्यभिचार के आरोप लगाना यह बहुत ही शर्मनाक बात है। ऐसे लोगों को गिरफ्तार करके तुरंत सलाखों के पीछे डाल देना चाहिए।

महिला पहलवानों का समर्थन करते हुए बाबा रामेदव ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर जमकर भड़ास निकाली है। यह बात बाबा रामदेव ने राजस्थान के भीलवाड़ा में कही है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि, बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े पहलवान अब अपने आंदोलन को धार देने में लग गए हैं।

मोदी पर डॉक्यूमेंट्री बना कर फंसा बीबीसी, 10,000 करोड़ रुपए के मानहानि का मुकदमा, हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजरात दंगों को लेकर प्रोपेगंडा डॉक्यूमेंट्री बनाने के मामले में बीबीसी पर मानहानि का मुकदमा दायर हुआ है। एनजीओ ने 10,000 करोड़ रुपए के अपने मानहानि के मुक़दमे में आरोप लगाया है कि इस डॉक्यूमेंट्री ने भारत की प्रतिष्ठा को मलीन करने का कार्य किया है। साथ ही न्यायपालिका और प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा को भी बदनाम किया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन को एक गैर सरकारी संगठनकी ओर से दायर मानहानि के मुकदमे में सोमवार (22 मई) को नोटिस जारी किया। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता ने गुजरात के एनजीओ, जस्टिस ऑन ट्रायल द्वारा दायर मामले में ये समन जारी किया है। इसे सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

सोमवार (22 मई, 2023) को जारी किया गया समन

'ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' को ये समन सोमवार (22 मई, 2023) को जारी किया गया। गुजरात के एनजीओ 'जस्टिस फॉर ट्रायल' ने दिल्ली उच्च-न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। इस मामले में 'बीबीसी (यूके)' के अलावा 'बीबीसी इंडिया' को भी नोटिस जारी कर जवाब देने के लिए कहा गया है। डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी क्वेश्चन' को दो हिस्सों में जारी किया गया था। बीबीसी (यूके) ने इसे जारी किया था, जबकि 'बीबीसी इंडिया' इसी की भारतीय शाखा है।

डॉक्यूमेंट्री ने भारत और इसकी पूरी व्यवस्था को बदनाम किया: हरीश साल्वे – एनजीओ की तरफ से 67 वर्षीय वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे दिल्ली हाईकोर्ट में पेश हुए। भारत के सॉलिसिटर जनरल रहे हरीश साल्वे अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में पाकिस्तान में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव का केस भी लड़ चुके हैं, जिसके बाद उनकी मौत की सज़ा पर रोक लग गई थी। उन्होंने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री ने भारत और इसकी पूरी व्यवस्था को बदनाम किया है, न्यायपालिका सहित। इस मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

जस्टिस सचिन दत्ता ने सुनवाई करते हुए ये नोटिस जारी किया– जस्टिस सचिन दत्ता ने सुनवाई करते हुए ये नोटिस जारी किया। इससे पहले 3 मई को एक भाजपा नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली की एक अदालत ने बीबीसी और विकीमीडिया को नोटिस जारी किया गया था। माँग की गई थी कि इन्हें आरएसएस और विहिप को बदनाम करने वाले कंटेंट्स प्रकाशित करने से रोका जाए। एक विकिपीडिया पेज पर इस डॉक्यूमेंट्री का लिंक उपलब्ध था, जबकि भारत में ये बैन है। इस प्रोपेगंडा डॉक्यूमेंट्री के जरिए मुस्लिम कट्टरपंथियों का भी बचाव किया गया था।

सियासी हलचल के बीच दिल्ली पहुंचे सीएम, नीति आयोग और केंद्रीय नेताओं के साथ होगी बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कल रात दिल्ली पहुंच गए है और दो दिन बाद भोपाल वापस लौटेंगे। दिल्ली प्रवास के दौरान वे मुख्यमंत्रियों और नीति आयोग की बैठक में शामिल होंगे और पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

उनका दिल्ली दौरान प्रदेश में चल रहे सियासी घटनाक्रम के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है जिसमें संगठन और सरकार के स्तर पर किए जाने वाले फैसलों पर चर्चा होना है। दिल्ली प्रवास के दौरान वे केंद्रीय नेतृत्व और केंद्रीय मंत्रियों के साथ भी बैठकें करेंगे।

सीएम चौहान शनिवार को नीति आयोग द्वारा सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की गवर्निंग कांउसिल की बैठक में शामिल हो रहे है। उनकी मुलाकात पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय संगठन के अन्य नेताओं के साथ भी हो सकती है। हालांकि अधिकृत तौर पर इस बारे में सीएम का कार्यक्रम सामने नहीं आया है। मुख्यमंत्री चौहान 28 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और अन्य केंद्रीय मंत्रियों व एमपी के सांसदों के साथ होगी। सीएम चौहान इसके बाद फिर नीति आयोग द्वारा बुलाई गई सीएम कांउसिल की बैठक में शामिल होंगे और देर रात भोपाल वापस लौटेंगे।

इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा दौरा

प्रदेश में पिछले दिनों सागर जिले के मंत्रियों, विधायकों के बीच विवाद चर्चा में आया है जिसके बाद केंद्रीय नेतृत्व इसको लेकर सतर्क है। इस घटनाक्रम के बीच केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय की बुधवार रात में भोपाल आकर सीएम निवास में बैठक करने और वापस जाने को लेकर भी सियासी मायने तलाशे जा रहे हैं। यह चर्चा भी है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद मध्यप्रदेश में भी मंत्रिमंडल फेरबदल हो सकता है। इसलिए ऐसी स्थिति बनने पर संभावित मंत्रियों और हटाए जाने वालों के नाम पर भी चर्चा हो सकती है।

चुनावी तैयारियों पर भी देंगे रिपोर्ट

माना जा रहा है कि सीएम चौहान दिल्ली प्रवास के दौरान नवम्बर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर शिवराज सरकार की प्लानिंग और अन्य कार्यक्रमों की जानकारी केंद्रीय संगठन को सौंपेंगे। उधर केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश से मिले फीडबैक से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराएगा और सत्ता और संगठन के साथ चलाए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर निर्देश देगा।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में शनिवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 30 मई से 30 जून तक खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले विशेष जनसंपर्क अभियान को लेकर बैठक को संबोधित किया। बैठक में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सागर संभाग प्रभारी चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, छतरपुर जिला प्रभारी अवधेश नायक सहित खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के पार्टी के जिला पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

दिल्ली में मप्र के कांग्रेस नेताओं की बैठक अब 29 मई को

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं की बैठक अब 29 मई को हो गई। 26 मई को बैठक कर्नाटक कैबिनेट के विस्तार के कारण टल गई थी। मध्यप्रदेश के तमाम दिग्गज नेता बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच गए थे। अब तक बैठक दो बार टल चुकी है। बैठक में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई जानी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ यह बैठक होनी है।

नए संसद भवन के साथ नीति आयोग की बैठक बेमतलब: नीतीश

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाईटेड में अब हर बात पर तीखी टक्कर हो रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग इस देश का इतिहास बदलने के लिए नया संसद भवन बनाकर खुद उद्घाटन कर रहे हैं, इसलिए इसका मतलब नहीं हे। उन्होंने नीति आयोग की बैठक को भी बेमतलब बताया। वहीं पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा कि नीतीश कुमार पीएम नरेंद्र मोदी की नजरों से बचना चाह रहे हैं।

शनिवार सुबह पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन की क्या जरूरत थी। आजादी हुई तो जहां से शुरुआत हो गई, उसे ही और विकसित कर देना चाहिए। अलग से नया भवन बनाने का कोई मतलब ही नहीं है। आप क्या इतिहास ही बदल दीजिए। इसे अलग करने की क्या जरूरत थी। पुरानी संसद भवन को ही विकसित करना चाहिए था। आप क्या इतिहास भूला दीजिएगा? कल आप इसे खत्म कर दीजिएगा तो इतिहास के बारे में कैसे पता चलेगा। आप जान लीजिए जो शासन में हैं, वह सारे इतिहास को बदल देंगे। आजादी की लड़ाई के इतिहास को भी बदल देंगे। आज नीति आयोग की बैठक और कल नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं था।

भाजपा का पलटवार- पीएम मोदी की नजरों से बच रहे नीतीश कुमार

इस बीच भाजपा का और भी तीखा बयान आ गया। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को इस बैठक में शामिल होना चाहिए था लेकिन उनके नहीं जाने से बिहार के विकास में बाधा पहुंचेगी। यदि वह नीति आयोग की बैठक में शामिल होते तो बिहार के विकास के लिए जो जरूरी नीतियां है, उस पर चर्चा होती। लेकिन, नीतीश कुमार की मनसा बिहार का विकास करना नहीं है। इसी कारण हो नीति आयोग की बैठक से दूरी बना रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश, दृश्यता कम होने से उड़ानों पर असर

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश हो रही है। बिजली चमक रही है और साथ ही तेज हवाएं भी चल रही हैं। आंधी-बारिश और गहरे बादलों के कारण सड़कों पर दृश्यता भी कम है। आंधी और तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश से उड़ानें भी प्रभावित होने की खबर है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण अभी अगले दो से तीन दिन दिल्ली एनसीआर और उसके आसपास रूक-रुक के हल्की बारिश व हवाएं चलने का अनुमान है। सोमवार और मंगलवार को दिल्ली के कुछ हिस्सों में लू चली। 22 मई को अधिकतम तापमान 43.7 और 23 मई को न्यूनतम तापमान 43.5 दर्ज हुआ था। वहीं कुछ इलाकों में तापमान 46 डिग्री तक पहुंच गया था। लेकिन 23 मई रात से मौसम ने करवट ले ली। उसके बाद से मौसम सुहावना ही बना हुआ है। एयरपोर्ट अधिकारी ने जानकारी दी है कि खराब मौसम की वजह से आज सुबह कुल चार उड़ानें जयपुर डायवर्ट की गईं। सभी उड़ानें अलग-अलग शहरों से दिल्ली आ रही थीं।

सिद्धारमैया कैबिनेट में 24 विधायक शामिल

बेंगलुरू। कर्नाटक में शनिवार को कैबिनेट विस्तार किया गया। कांग्रेस की ओर से 24 और विधायकों ने मंत्रीपद की शपथ ली।। इन विधायकों के शपथ लेने के बाद कर्नाटक सरकार की कैबिनेट में कुल मंत्रियों की संख्या 34 पहुंच गई। कर्नाटक के नए निर्वाचित विधायक एच. के. पाटिल, कृष्णा बायरे गौड़ा, एन. चेलूनारस्वामीदिनेश गुंडू राव, शरणबसप्पा दर्शनापुर, शिवानंद पाटिल, टी. आर. बालप्पा] के. वेंकटेश, डॉ. एच. सी. महादेवप्पा, ईश्वर खंड्रे, के. एन. राजन्ना ने मंत्री पद की शपथ ली।

नाराजगी के उठे स्वर

कांग्रेस विधायक रुद्रप्पा लमानी को मंत्री पद नहीं मिलने पर उनके समर्थकों में नाराजगी है। लमानी के समर्थकों ने कांग्रेस कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। लमानी के एक समर्थक ने कहा कि हमारे बंजारा समुदाय के नेता रुद्रप्पा लमानी का नाम बीती रात तक मंत्री पद की शपथ लेने वाले नेताओं में शामिल था लेकिन आज उनका नाम लिस्ट से गायब है।

मनासा-मंदसौर मार्ग पर बड़ा हादसा, एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत, 4 घायल

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच में आज अलसुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। आज अल सुबह मनासा- मदसौर मार्ग पर एक कार ट्रेक्टर ट्राली से जा टकराई जिसमे तीन लोगो की मौके पर ही मौत होने की खबर सामने आई है जबकि 4 गंभीर घायल भी बताए जा रहे है जिन्हें जिला अस्पताल भेजा गया है।

मिली जानकारी एक अनुसार मनासा के समीप रूपावास के यह आज सुबह एक मारुति वैन मंदसौर की और से आते हुए रोड किनारे खड़ी ट्रेक्टर ट्राली से जा टकराई जिसमे देवरी खवासा के संदीप पाटीदार सहित परिवार के तीन लोग अकाल मौत के काल में समा गए,जबकि चार और घायल बताए जा रहे है। जानकारी में ये भी सामने आया है कि अचानक नींद लगने से ये हादसा हुआ है जिसमे कार सीधे ट्राली से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि मृतकों और घायलों को ग्लैंडर कतार की मदद से कार को काट काट निकलना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही मनासा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। वहीं पुलिस ने मृतकों के शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

24 महिलाओं से भरा लोडिंग वाहन पलटा, दो की मौत

सागर के खुरई इलाके में बीना-सागर रोड पर नरेन नदी के पास महिला मजदूरों से भरी लोडिंग गाड़ी पलट गई। शनिवार सुबह हुए हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई। ड्राइवर समेत 23 घायल हैं। गंभीर हालत में 6 महिलाओं को सागर रेफर किया गया है। महिलाएं खुरई से जरुआखेड़ा के जंगल में बीड़ी पत्तियां तोड़ने के लिए जा रही थीं। मृतक महिलाओं में संध्या (30) पति मुकेश अहिरवार निवासी अब्दुल कलाम वार्ड खुरई और लाडली बाई (50) पति ग्यारसे अहिरवार निवासी रेंगुआ शामिल हैं।

युवक की हत्या, कोतवाली चौराहा पर शव रखकर किया चक्काजाम

सीहोर। शुक्रवार को सूरज कुशवाह नामक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपित ने सिर्फ पता पूछने पर कुल्हाड़ी से प्रहार करते हुए सूरज के सात टुकड़े कर दिए थे। आरोपित ईंट भट्टे पर काम करता था। शनिवार को मृतक के परिजनों व अन्य लोगों ने शव यात्रा के दौरान नगर के कोतवाली चौराहे पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। मृतक के दो छोटे बच्चे है परिजनों की मांग थी कि मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाए और आर्थिक मदद व आरोपित को फांसी की सजा दी जाए। मृतक युवक सब्जी का ठेला लगाता था।

पीठाधीश्वर स्वामी माधवाचार्य महाराज का गुफा मंदिर में हुआ आगमन

संत हिरदाराम नगर। श्री रामानन्द सम्प्रदाय के टीला द्वारा गाद्याचार्य मंगल पीठाधीश्वर स्वामी माधवाचार्य महाराज डाकोर, मुंबई राज्य अतिथि म.प्र.शासन का शुक्रवार को श्री रामानन्द आश्रम गुफा मन्दिर धाम में आगमन हुआ। मंदिर परिसर में ही स्थित धाम के नवीन कार्यालय का उद्घाटन महाराज के द्वारा किया गया। इस अवसर पर गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेशदास महाराज सहित कई उपस्थित थे। पंडित लेखराज शर्मा ने बताया कि माधवाचार्य महाराज भोपाल में धार्मिक यज्ञ आदि कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर सभी को आशीर्वाद प्रदान करेंगें। इस अवसर पर वह गुफा मंदिर धाम में 29 मई तक रहेंगे।

नवनिध विद्यालय की छात्राओं को परीक्षा पे चर्चा में भाग लेने पर प्रशस्ति पत्र मिले

संत हिरदाराम नगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा में इस वर्ष भाग लेने व अपने विचार साझा करने के लिए नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की छात्राओं में दीक्षा छुगानी, दीक्षा संतानी, योगिता आस्वानी, नैना आनंदानी, खुशबू बच्छानी, अनुषा अग्रवाल, वंशिका पर्यानी, हेमा सतवानी, प्राची चेलानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुए। इसी तारतम्य में भारत में पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई निबंध प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश से चुने गए सर्वेश्रेष्ठ 50 विजेताओं में से नवनिध विद्यालय की छात्रा स्नेहा कुशलानी, सुहानी बसंतानी को राज्य स्तरीय विजेता के रूप में चुना गया है। निबंध प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु इन छात्राओं को पुरस्कार स्वरूप 4 हजार की राशि व प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं।

मुकुल सेन जिला अध्यक्ष बने

भोपाल। मध्य प्रदेश सेन समाज संयुक्त कल्याण संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल श्रीवास ने सूरज नगर एयरपोर्ट रोड भोपाल के मुकुल सेन को मध्य प्रदेश युवा प्रकोष्ठ सेन समाज संगठन भोपाल का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस नियुक्ति पर प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मुकेश सेन कुलदीप सेन करणी सेना के उपाध्यक्ष सुदर्शन सिसोदिया गोवर्धन विश्वकर्मा संतोष सेन प्रेम सेन ईश्वर सेन सतीश सेन परसराम सेन बदाम सेन महेश सेन सीताराम सेन समाज बंधुओं ने मुकुल सेन को बधाई दी और सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल श्रीवास का आभार व्यक्त किया

मेफ्लावर पब्लिक स्कूल की छात्रा जिले में प्रथम

भोपाल। मध्य प्रदेश हायर सेकेंडरी बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणामों में मेफ्लावर पब्लिक स्कूल शानदार उपलब्धि हासिल की है मे फ्लावर स्कूल के छात्र आरती मेवाड़ा ने भोपाल जिला में प्रथम स्थान हासिल किया मेफ्लावर एजुकेशन सोसायटी की अध्यक्ष सोफिया सिद्दीकी ने बताया कि दसवीं का परीक्षा परिणाम 89.4 प्रतिशत और 12वीं का परीक्षा परिणाम 88 प्रतिशत रहा। 1986 में मेफ्लावर स्कूल की शुरुआत की गई है। ग्राम खजूरी कला में में फ्लावर स्कूल की एक और ब्रांच खोली गई है। सिद्दीकी ने बताया कि उनकी कोशिश थी कि ग्रामीण परिवेश के बच्चों को भी इंग्लिश मीडियम से शिक्षा मिले और उसी का परिणाम है कि ग्रामीण पपरिवेश से ही एक छात्र ने इस बार भोपाल जिला में मेरिट लिस्ट में प्रथम हासिल हासिल किया है। मेफ्लावर पब्लिक स्कूल में इस समय 14 सौ से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं

संस्कार स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम के साथ समर कैम्प का हुआ समापन

बच्चों ने नृत्य, खेलकूद, संगीत सीखा और भरपूर आनंद लिया

संत हिरदाराम नगर। संस्कार स्कूल में ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर आयोजित समर कैम्प का समापन शुक्रवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ किया गया। इस ग्रीष्मावकाश में नाना प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया गया था। जिनमें नृत्य, खेलकूद, संगीत, चित्रकला, अंग्रेजी सुलेख व अंग्रेजी भाषा को बोलने की शिक्षा प्रमुख थी। कार्यक्रम का शुभारम्भ समाजसेवी घनश्याम थारानी, संस्था के सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, सदस्य नारायणदास लालवानी, रिटा. कर्नल नारायण पारवानी,विष्णु गेहानी द्वारा किया गया। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने आए हुए अतिथियों का परिचय दिया एवं अभिभावकों से कहा कि आज हमारे संस्कार स्कूल के समर कैंप समापन हो रहा है समर कैंप की शुरूआत में हमने आश्वासन दिया था कि जो कुछ भी बच्चे समर कैंप में सीखेंगे उसे आप आकर देखना कि आपने अपने बच्चों को शिविर में भेजकर जो भरोसा जताया है उस हिसाब से बच्चों ने इस समर कैम्प में बहुत कुछ सीखा तथा इस समर कैम्प का भरपूर आनन्द लिया। घनश्याम थारानी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो सूर्योदय देखता है उसके भाग्य का उद्य भी जल्दी होता है। कार्यक्रम में उपस्थित रिटा. कर्नल श्री नारायण पारवानी ने कहा कि बच्चे समर वेकेशन को वेस्ट करते है लेकिन इन बच्चों ने छुट्टियों का सदुपयोग करके कुछ सीखा है उस हुनर को आगे बढ़ाए एवं उसकी प्रैक्टिस करते रहें जो लेटेस्ट है उसे आपको अपडेट रखना है।

संस्कार स्कूल के एमपी बोर्ड में अव्वल रहे विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

संत हिरदाराम नगर। संस्कार पब्लिक स्कूल का कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 93 प्रतिशत एवं कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत रहा। संत नगर के बाकी विद्यालयों की अपेक्षा संस्कार विद्यालय का रिजल्ट अधिक उत्कृष्ट रहा।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय में हाई स्कूल में विद्यालय स्तर पर आकृति शर्मा ने 95.60 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं प्रियांशी राठौर 94.80 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं समीक्षा नागर 94.40 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही। हायर सेकण्डरी में वाणिज्य संकाय में कशिश सबरवाल 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही, हितेश नागर 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहा तथा लीना सोभनानी 86 प्रतिशत तृतीय स्थान, विज्ञान संकाय में अदिति कहार एवं जिया श्रीचन्दानी 92.20 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान पर रही, उदय पाटीदार 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान पर रहा एवं इशिका देवड़ा 90.40 प्रतिशत अंको के साथ तृतीय स्थान पर रही।

पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधारोपण करना अत्यंत आवश्यक : विष्णु गेहानी

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधारोपण किया। शिक्षा जगत में लंबे समय से सेवा करने और 88 वर्ष की उम्र में भी वह आज भी बच्चों को शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं। विष्णु गेहानी ने गरीब बच्चों को गणवेश, पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी, पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधारोपण एवं पौधों का वितरण तथा डस्टबिन, झाड़ू देकर स्वच्छता की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि मेरा बाकी बचा हुआ जीवन इन बाल-गोपालों की सेवा में व्यतीत हो और अगले जन्म में भी मैं शिक्षक बनकर इसी तरह बच्चों की सेवा करता रहूँ। उन्होंने कहा कि सभी यह संकल्प करें कि बच्चों का भविष्य अच्छा बनाने के साथ-साथ उन्हें अच्छा इंसान भी बनाएंगें साथ ही पौधे लगाकर पर्यावरण को शुद्ध रखने भी अपना योगदान देगें। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, बोरवन क्लब के अध्यक्ष जगदीश आसवानी भी उपस्थित थे।

10 टन से अधिक अमानक प्लास्टिक जप्त , 50 हजार का स्पॉट फाइन लगाया

भोपाल। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर आयुक्त नगर निगम के मार्गदर्शन में भोपाल नगर निगम की कर्रवाई 10 टन 3 क्विंटल अमानक प्लास्टिक जप्त की और 50 हजार का स्पॉट फाइन किया।नगर पालिक निगम भोपाल द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के थोक सप्लायर, होलसेलर पर औचक निरीक्षण की कार्यवाही की गई जिसमें अलग-अलग जोन के ।ह और प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी विजेंद्र गुप्ता ने संयुक्त टीम बनाकर सिंगल यूज प्लास्टिक जब्ती की बड़ी कार्यवाही की गई। चार घंटे तक चली इस कार्यवाही कर घोड़ा नक्कास अमृत प्लास्टिक की दुकान पर 276 बोरी पांच डंपर अमानक प्लास्टिक की जप्ती की गई एवं 50 हजार रु स्पॉट फाइन किया गया, सिंगल यूज प्लास्टिक जब्ती और फाइन की कार्यवाही निरंतर की जाती रहेगी। एक अलग कार्यवाही में प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राकेश शर्मा ने विजय मार्केट में 65 किलो अमानक प्लास्टिक जब्त कर 2500 रुपये का फाइन किया गया। नगर पालिक निगम भोपाल द्वारा अमानक प्लास्टिक पर सतत रूप से कार्यवाही की जाती रहेगी।

ईश्वर नगर में बनेंगी सड़कें और नालियां, लगेंगे पेविंग ब्लॉक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर मालती राय ने ईश्वर नगर में विभिन्न विकास कार्यों हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। नगर निगम द्वारा वार्ड क्र. 50 के अंतर्गत ईश्वर नगर क्षेत्र में लगभग 25 लाख रुपये की लागत से सड़क, नाली एवं पेविंग ब्लॉक लगाने का कार्य किया जा रहा है। ईश्वर नगर में शुक्रवार को आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में महापौर मालती राय ने उपस्थितजन को संबोधित करते हुए कहा कि हम शहर के सभी क्षेत्रों में विकास एवं जनसुविधा संबंधी कार्य निरंतर करा रहे है और इसी क्रम में आज वार्ड क्र. 50 सड़क, नाली, पेविंग ब्लॉक सहित अन्य विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया है और इन कार्यों के पूर्ण होने पर शीघ्र ही आवागमन में सुविधा के साथ ही पानी की निकासी आदि की सुविधाएं और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित होंगी। भूमिपूजन अवसर पर स्थानीय पार्षद एवं महापौर परिषद की सदस्या सुषमा बाबीसा के अलावा वरिष्ठ समाज सेविका सीमा सिंह, पूर्व पार्षद करतार सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

4 जून को होगा सबधाणी प्रतिभा सम्मान समारोह

भोपाल। विगत दिवस आए बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में भोपाल के कई छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन अंक हासिल किए हैं, इन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान 4 जून को सबधाणी कोचिंग द्वारा सबधाणी कोचिंग, द्वितीय तल, 114, ज़ोन-2, सिटी हॉस्पिटल के बग़ल में, एम पी नगर, भोपाल में प्रात: 10 से 2 बजे के बीच शिक्षा जगत की कई बड़ी हस्तियों की उपस्थिति में किया जाएगा। समारोह के अध्यक्ष एवं सबधाणी कोचिंग इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर आनंद सबधाणी ने बताया कि इस वर्ष 2023 में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केंद्रीय शिक्षा बोर्ड, आइएससी या सीएआई बोर्ड में 60: या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अपना नाम, प्रतिशत, स्कूल का नाम, फोटोग्राफ और मार्कशीट 1 जून तक सबधाणी कोचिंग के व्हाट्सएप नंबर 8839066328 पर भेज सकते हैं। सभी को रविवार 4 जून को सर्टिफ़िकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। ज्ञात है कि सबधाणी कोचिंग इंस्टीट्यूट, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष इस प्रकार का सम्मान समारोह 85: से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए किया जाता रहा है परंतु सबधाणी की नयी सोच के अनुसार 85, 90 या 95 प्रतिशत अंक अर्जित करने वालों का सम्मान तो पूरी दुनिया करती है, परंतु सबधाणी कोचिंग इस बार ऐसे विद्यार्थियों का भी सम्मान करेगा जो कोशिश तो 90 प्रतिशत अंकों की करते हैं लेकिन प्रतिस्पर्धा के कारण 60 प्रतिशत अंक ही अर्जित कर पाते हैं। ऐसे विद्यार्थी उचित सम्मान एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर भविष्य में टॉपर्स की श्रेणी में भी जा सकते हैं और भविष्य में देश की दशा और दिशा दोनों बदल सकते हैं। संवाददाता से चर्चा में सबधाणी ने कहा कि चांद पर पहला कदम किसने रखा है यह सब जानते हैं, परंतु कितने लोगों ने प्रयास किया यह शायद कोई नहीं जानता, परंतु अब जानेंगे। सबधाणी के इस ऐतिहासिक प्रयास की कई अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं, स्कूल प्रबंधन द्वारा सराहना भी की जा रही है।

मांगों को लेकर सहरिया समाज ने कलेक्टर सौंपा ज्ञापन

भोपाल । अखिल भारतीय सेहरिया समाज महासभा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष फूल सिंह सेमरिया के नेतृत्व में भोपाल संभाग के 5 जिले से आए हुए समाज के लोगों को साथ रैली के रूप में भोपाल कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री जी के नाम का ज्ञापन भोपाल कलेक्ट्रेट कार्यालय में संतोष दुबे एस एल आर सहायक अधीक्षक भू अभिलेख को सौंपा। समाज के प्रदेश अध्यक्ष फूल सिंह सेमरिया ने बताया कि हमारी मुख्य मांग भोपाल संभाग की विलुप्त होती सहरिया जनजाति को विशेष पिछड़ी आदिम जनजाति में शामिल कर ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सहरिया समाज की तरह सीधा लाभ दिया जाए। भोपाल संभाग में सहरिया समाज निवासरत है जोकि बहुत अति पिछड़ी हुई जनजाति है। इस कारण भोपाल संभाग को ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों गवालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, भिंड मुरैना, के जैसा सीधा लाभ प्रदान कराए जावे एवं विशेष पिछड़ी जनजाति में सम्मिलित की जावे उक्त जिलों मे सहरिया समाज को नौकरियों में सीधी भर्ती एवं शासन की कई प्रकार की विशेष योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया जाता है उसी तरह भोपाल संभाग के जिलों को ला प्रधान किया जाए। इस अवसर पर भोपाल संभाग के 5 जिलों से भारी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे। ज्ञापन सौंपने के अवसर पर मुख्य रूप से हुजूर ब्लॉक अध्यक्ष दीपक चौहान सहरिया सरपंच, गोवर्धन सरिया अध्यक्ष जिला भोपाल, रामदयाल सहरिया, दीपक चौहान, रामभरोसे सहरिया, भारत सिंह चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष, सतीश सांवरे प्रदेश महामंत्री आदि उपस्थित थे।

नहीं कर सकेंगे इलेक्ट्रोनिक निकोटिन का कारोबार, कलेक्टर ने किया आदेश

भोपाल । कलेक्टर ने भोपाल में हो रहे नशे के कारोबार पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाने के आदेश किए है। यह आदेश हुक्का लाउंज के साथ ही अन्य माध्यमों से अवैध इलेक्ट्रोनिक निकोटिन का कारोबार करने वालों के लिए सख्त कदम उठाया है। जिसे युवाओं को नशे से होने वाली गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। जिले के विभिन्न स्थानों पर इलेक्ट्रानिक सिगरेट सहित अन्य नशीले पदार्थों का संग्रहण एवं विक्रय किया जा रहा है। इलेक्ट्रोनिक निकोटिन डिलिवरी सिस्टम उपयोगकर्ता विभिन्न रसायनो के संपर्क में आते हैं जैसे नाइट्रोसामाइन्स, बेंजीन, इथिलीन ऑक्साइड, और एक्रीला माइड जो स्वास्थ्य प्रभावों के साथ के कैंसर एवं तंत्रिका तंत्र को भी क्षति पहुंचा सकते हैं। ये उत्पाद बड़े पैमाने पर विशेष रूप से बच्चों, किशोरावस्था, गर्भवती महिलाओं और प्रजनन आयु की महिलाओं के लिए एक बड़ा स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। भारत सरकार द्वारा इलेक्ट्रानिक सिगरेट (उत्पादन, विनिर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, विक्रय, वितरण, भण्डारण और विज्ञापन) का प्रतिषेध कानून 2019 के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक सिगरेट को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उसके बाद भी शहर में अवैध रूप से नशे के कारोबार किया जा रहा है । कलेक्टर ने जनता और शहर की हितों में निर्णय लेते हुए धारा 144 पालन करते हुए प्रबंध किया जाता है। इस प्रतिबंध के बाद भी कोई प्रत्यक्ष: या परोक्ष रूप से इलेक्ट्रानिक सिगरेट के प्रयोग को प्रोत्साहित करता है तो उक्त व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी ।

लाड़ली बहना योजना में 10 जून से सभी महिलाओं के खाते में डाली जाएगी राशि

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह बकतरा में सीताराम महायज्ञ में शामिल हुए, एक करोड़ की लागत से सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मानव जीवन में परमात्मा की प्राप्ति के लिए ऋषि मुनियों द्वारा तीन अलग-अलग मार्ग- ज्ञान मार्ग, भक्ति मार्ग और कर्म मार्ग बताए गए है। इन तीनों मार्ग पर चल कर भगवान को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संत ज्ञान मार्ग से ईश्वर को प्राप्त करते है, मीराबाई और हनुमान की तरह भक्ति मार्ग से भी भगवान की प्राप्ति की जा सकती है। साथ ही हम अपने जीवन में सही रास्ते पर चल कर कर्म करते हुए भी कर्म मार्ग से भी ईश्वर को प्राप्त कर सकते है।

उन्होंने कहा कि हम सभी को कर्म मार्ग पर चलने की कोशिश करना चाहिए। मुख्यमंत्री चौहान बुधनी विकाखण्ड के ग्राम बकतरा में सीताराम महायज्ञ में शामिल हुए और संतों का आशीर्वाद लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान ने बकतरा में एक करोड़ रूपए की लागत से सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भगवान ने जो काम अपने लिए निश्चित कर दिया है, उसको मेहनत और ईमानदारी से करेंगे तो भगवान को प्राप्त करना आसान होगा। यदि किसान पूरी मेहनत और लगन से खेती कर फसल उगाए, डॉक्टर निस्वार्थ भाव से मरीजों का इलाज करें और शिक्षक ईमानदारी से बच्चों को शिक्षा प्रदान करेंगे तो कर्म के मार्ग पर चलते हुए ईश्वर की प्राप्ति की जा सकती है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बहनें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को खुद ही पूरा कर सके, इसके लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बनाई गई है। सभी महिलाओं के पंजीयन का कार्य सुनिश्चित किया गया है और 10 जून से पात्र महिलाओं के खातों में प्रतिमाह एक हजार रूपए की राशि डाली जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी किसानों से मूंग की खरीदी सरकार द्वारा की जाएगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने श्रीराम जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश के नागरिकों की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने राम दिनेशाचार्य जी, राम कृपालु शास्त्री जी और राघव दिनकर महाराज से आशीर्वाद लिया। सांसद रमाकांत भार्गव, पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह राजपूत, रामकिशन पटेल, वीर सिंह चौहान सहित जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कूनो में चीतों की मृत्यु के संबंध में ली जानकारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में प्रदेश में चीतों के बसाने संबंधी गतिविधियों की समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री को वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने चीतों को बसाने, उनको क्वॉरेंटाइन रखने की अवधि और उनकी देख-रेख से जुड़े विभिन्न पहलु पर जानकारी दी गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) द्वारा कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की वर्तमान स्थिति और चीता शावकों की मृत्यु के कारणों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 23 मई को चीता शावकों की हुई मृत्यु के संभावित कारण पोषण में कमी तथा अत्यंत गर्मी का मौसम प्रतीत होता है। चौथे शावक को रेस्क्यू कर वन्य-प्राणी चिकित्सकों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। शावक के स्वास्थ्य में सुधार दिख रहा है। मृत शावकों का वजन अत्यंत कम 1.6 कि.ग्रा. था, जबकि मानकों के अनुसार इस आयु के शावकों का वजन लगभग 3 कि.ग्रा. होना चाहिये। कुल छह चीतों को खुले जंगल में छोड़ा गया है, जिनकी दिन-रात मॉनिटरिंग की जा रही है। आगामी दिनों में 3 और चीतों को खुले जंगल में छोड़े जाने की योजना है। गांधीसागर अभयारण्य में भी आवश्यक तैयारी प्रारंभ हो चुकी हैं, जो नवम्बर तक पूरी होने की संभावना है। इसी तरह नौरादेही अभयारण्य में भी तैयारी प्रारंभ की जानी है। बैठक में निर्देश दिये गये कि नौरादेही तथा गांधीसागर अभयारण्य में इन तैयारियों के लिए टाइम लाइन निर्धारित कर इसे नवगठित प्रोजेक्ट चीता स्टीयरिंग कमेटी से अनुमोदन करवायें। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रधान मुख्य वन संरक्षक रमेश कुमार गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) जे.एस. चौहान और अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) शुभ रंजन सेन उपस्थित थे।

देश-प्रदेश की मूल और उन्नत नस्ल की दुधारु गायों को मिलेगा पुरस्कार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पशुपालन मंत्री पटेल कल करेंगे पुरस्कार वितरण

मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना में प्रदेश की मूल गो-वंशीय नस्ल एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारु गायों का राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह 28 मई को बड़वानी जिले के ग्राम धाबाबावड़ी में होगा। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। पशुपालन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश की मूल नस्ल की गायें- मालवी, निमाड़ी और केनकथा के साथ भारतीय उन्नत नस्ल के गो-पालन को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश के सभी जिलों में एक से 15 फरवरी 2023 तक प्रतियोगिताएँ की गई थीं।

योजना में जिला स्तरीय प्रतियोगिता के बाद राज्य स्तर पर सर्वाधिक दुधारु गायों का चयन किया गया है। दोनों ही प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार 2 लाख, द्वितीय एक लाख और तृतीय पुरस्कार 50 हजार रूपये का होगा। प्रदेश की मूल गो-वंशीय नस्ल की गायों की प्रतियोगिता में शाजापुर जिले के श्री आशीष शर्मा की 14.760 लीटर दूध देने वाली मालवी गाय को प्रथम, उज्जैन जिले के बांदरबेला बड़नगर के श्री घनश्याम प्रजापति की 12.882 लीटर दूध देने वाली मालवी गाय को द्वितीय और धार जिले के पटलावद के श्री दीपक वर्मा की 11.96 लीटर दूध देने वाली निमाड़ी गाय को तृतीय पुरस्कार मिलेगा। भारतीय उन्नत नस्ल में छतरपुर जिले के नयागाँव के श्री राजमणि यादव की 25.21 लीटर दूध देने वाली गिर नस्ल की गाय को प्रथम, नीमच की श्रीमती नीलू मुरारी की 22.45 लीटर दूध देने वाली गिर नस्ल की गाय को द्वितीय और सिंगरौली जिले के कथुरा निवासी श्री रावेन्द्र कुमार पाण्डे की 20.99 लीटर दूध देने वाली साहीवाल नस्ल की गाय को तृतीय पुरस्कार दिया जायेगा।

जनजातीय कार्य मंत्री ने सड़क दुर्घटना में 10 लाख की आर्थिक सहायता दी

भोपाल। जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह ने उमरिया जिले के ग्राम भौतरा पहुँच कर बुधवार को जिले के घंघरी स्थित नेशनल हाई-वे ओवर ब्रिज के पास हुई सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजन से मिल कर शोक संवेदना व्यक्त कर सांत्वना दी और कहा कि राज्य सरकार उनके साथ है। दुर्घटना में पीड़ित सभी परिवारों की हरसंभव मदद की जा रही है। मंत्री सुश्री सिंह ने ग्राम भौतरा में दुर्घटना में मृतक रोजगार सहायक स्व. देवराज सिंह के घर पहुँच कर उनकी पत्नी श्रीमती मालती सिंह को 10 लाख रूपये आर्थिक सहायता का आदेश-पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि सभी मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रूपये, गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रूपये एवं सामान्य घायलों के खाते में 10-10 हजार रूपये की राशि अंतरित की गई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को उमरिया में दुर्घटना पीड़ितों को आर्थिक सहायता पहुँचाने की घोषणा की थी।

अति उच्च दाब लाइन के नजदीक बने आवासों के अतिक्रमण को हटाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम.पी. ट्रांस्को ने गाडरवारा स्थित 132 के.व्ही. लाइन के नीचे मानव जीवन के लिये खतरा बन चुके अवैध निर्माण को हटवा कर एक नयी पहल की। विगत 29 एवं 30 अप्रैल को 132 के.व्ही. गाड़रवारा- पोंडर अति उच्च दाब लाइन पर ट्रिपिंग के बाद फाल्ट संबंधी जानकारी की पड़ताल करते समय यह पाया गया कि दो व्यक्तियों की इमारत के ऊपरी हिस्से (स्टील शीट एवं छड़ का प्रसार क्षेत्र) के आंधी-तूफान के समय कंडक्टर स्विंग के रेंज में आने से ट्रिपिंग घटित हुई थी। संबंधित व्यक्तियों को 04 मई को एक बार पुन: नोटिस दिया गया। प्रशासन की मदद से अतिक्रमण को हटा दिया गया।

पूरे प्रदेश में होगी इस तरह की कार्यवाही

एम.पी. ट्रांस्को के मुख्य अभियंता श्री एस.के. गायकवाड़ ने बताया कि गाड़रवारा की तरह प्रदेश की अति उच्च दाब लाइनों के नीचे अनाधिकृत रूप से बनाये गये खतरनाक आवासीय मकानों में रह रहे लोगों तथा प्रशासन का सहयोग प्राप्त कर कार्यवाही की जायेगी।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने सड़क सहित कई विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड-75 एवं 76 में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री सारंग ने कहा कि नरेला में निरन्तर विकास से मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि के साथ जन-सामान्य की समस्याओं का निराकरण भी हो रहा है। क्षेत्र के विकास कार्य निर्धारित समय पर हो सकें, इसके लिये क्षेत्र की मैपिंग कर केलेंडर बनाया गया है, इससे निश्चित समयावधि में सभी निर्माण कार्य पूर्ण किये जा रहे हैं। विकास कार्यों की सौगात के लिये क्षेत्र के नागरिकों ने मंत्री सारंग का आभार व्यक्त करने रोड-शो किया। इस दौरान स्थानीय जन-प्रतिनिधि, नागरिक कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

मंत्री सारंग ने नरेला विधानसभा में किये गये विकास कार्यों और क्षेत्र की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2008 के पहले नरेला विधानसभा में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। वर्तमान में नरेला विधानसभा में सबसे ज्यादा विकास के कार्य हुए हैं, जो निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि नरेला को पेयजल संकट से मुक्ति दिलाते हुए करोड़ों की लागत से नर्मदा लाइन बिछाई गई है, इससे आज हर घर नर्मदा जल पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि नरेला विधानसभा का खुद का ड्रैनेज सिस्टम है, जिससे अब बारिश में बाढ़ की स्थिति से क्षेत्रवासियों को मुक्ति मिली है। इसके अतिरिक्त करोड़ों की लागत से पक्की सड़कों का जाल, 3-3 सीएम राइज स्कूल, शासकीय कॉलेज, खेल मैदान, थीम पार्क सहित विभिन्न विकास कार्यों की सौगात रहवासियों को मिली है। भूमि-पूजन के दौरान अचानक बूंदाबांदी संग बारिश शुरू हो गयी। इस दौरान भी रहवासियों का उत्साह कम नहीं हुआ। मंत्री सारंग बारिश के बीच ही घर-घर पहुँच कर नागरिकों से मिले।

मंत्री सारंग ने वार्ड 75 में त्रिवेणी नगर एवं दुर्गा नगर रोड़ एवं समस्त नालियों सहित वार्ड 76 में उड़ीया बस्ती न्यू शंकर नगर रोड का भूमि-पूजन किया। इस दौरान बारिश के बीच रहवासियों ने त्रिवेणी नगर, दुर्गा शेड से गोपाल नगर होते हुए साहू किराना स्टोर दुर्गा नगर तक रोड शो हुआ। विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच से मंत्री सारंग का आभार व्यक्त किया और ढोल-ढमाकों और आतिशबाजी के बीच पुष्पवर्षा कर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

राज्यपाल से मिले विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ जनजातीय छात्र-छात्राएं

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने युवाओं का आह्वान किया है कि ज्ञान की नई रोशनी के साथ समाज के विकास के संवाहक बनें। देश-समाज के विकास के भाव के साथ कार्य में ही जीवन की सार्थकता है। राज्यपाल पटेल राजभवन में संवेदना संस्थान के तत्वावधान में राजभवन भ्रमण के लिए आए विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ जनजातीय छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी. पी. आहूजा उपस्थित थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने ज्ञान को सबसे शक्तिशाली हथियार बताया था। जीवन की सभी तरह की चुनौतियों का सामना शिक्षा से ही हो सकता है। वर्तमान पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि शिक्षा किसी धर्म, वर्ग के लिए सीमित नहीं रही है। मेहनत, लगन, मजबूत इच्छा शक्ति से जीवन में बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने गुजरात की नेत्र बाधित बालिका का उल्लेख किया।

कार्यकर्ता जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं: विष्णुदत्त शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष ने खजूराहो लोकसभा क्षेत्र की बैठक को किया सम्बोधित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार के सफलतम 9 वर्ष पूर्ण होने पर 30 मई से 30 जून तक खजूराहो लोकसभा क्षेत्र में वृहद जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। कार्यकर्ता विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचायेंगे। अभियान में व्यापक जनसंपर्क, लाभार्थी संपर्क, समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क, प्रबुद्धजन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से संपर्क किया जायेगा। पार्टी के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता इस अभियान को सफल बनाने में पूरी ताकत से जुट जाएं। यह बात पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजूराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में खजूराहो लोकसभा क्षेत्र के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक को सम्बोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश शासन के मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह वर्चुअली जुड़े।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि खजूराहो लोकसभा में स्थित विकास के प्रमुख स्थल जो विकास तीर्थ हैं, ऐसे स्थलों पर स्थानीय विकास से लाभान्वित लोगों के साथ चर्चा की जाएगी। विशाल जनसभा को केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी सम्बोधित करेंगे। खजूराहों में 2 जून को पत्रकार-वार्ता का आयोजन कर केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को बताया जायेगा। लोकसभा क्षेत्र में सोशल मीडिया के प्रमुख इंफ्लुएंसर के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि संपर्क से समर्थन वृहद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। व्यापारिक केंद्र पर प्रमुख व्यापारियों के साथ व्यापारी सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 21 जून को योग दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ही आमजन भी कार्यक्रम में शामिल होंगे एवं केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 23 जून को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के उद्बोधन को व्यापक रूप में सुनने का आव्हान किया।

87 महिला उद्यमियों को मिला 4.60 लाख का 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान

भोपाल। मध्यप्रदेश महिला वित्त विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा द्वारा गुरूवार को मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना में सिंगल क्लिक पोर्टल से 87 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 4 लाख 60 हजार रूपये अंतरित किये गये। श्रीमती अमिता ने बताया कि अगस्त-2022 में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये मुख्यमंत्री नारी सम्मान कोष का गठन कर मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया था। इसमें प्रदेश में ग्रामीण/शहरी आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियों के लिये 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इस योजना प्रदेश में महिला उद्यमिता को विकसित करने के साथ तकनीकी कौशल आधारित उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाते हुए राज्य की सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि करना है।

निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का किया निरीक्षण

स्ट्रक्चर और स्लैब का काम जून अंत तक पूरा करें: चौधरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और भवन के भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल एवं ऑडिटोरियम के प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों, इंजीनियर, कंसलटेंट और कांट्रेक्टर आदि के साथ स्थल पर ही बैठक कर विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के संबंध में निगम अधिकारियों एवं कंसलटेंट से जानकारी प्राप्त की तथा तैयार ड्राइंग के अनुसार खुदाई आदि कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में लगने वाले दरवाजे, खिड़कियों, फर्नीचर एवं टाइल्स आदि की क्वालिटी के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन के बाहरी क्षेत्र में सड़क, नाली निर्माण एवं बाउंड्रीवाल निर्माण सहित अन्य प्रस्तावित कार्यों की साप्ताहिक कार्य योजना अनुसार चार सप्ताह की योजना बनाकर तीव्र गति से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जलप्रदाय व्यवस्था के अंतर्गत जोन क्रमांक 13 वार्ड क्रमांक 54 के अंतर्गत साकेत नगर स्थित दुर्गा मंदिर टंकी पर स्थापित 60 एचपी पम्पों एवं जोन क्रमांक 15 वार्ड क्रमांक 63 के अंतर्गत रत्नागिरी स्थित उच्च स्तरीय टंकी परिसर में 10 लाख लीटर क्षमता के निर्माणाधीन सम्पटैंक एवं पम्प हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, कार्यपालन यंत्री प्रमोद मालवीय सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने शुक्रवार को निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और भूतल, प्रथम तल, द्वितीय तल एवं ऑडिटोरियम के प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों, इंजीनियर, कंसलटेंट और कांट्रेक्टर आदि के साथ स्थल पर ही बैठक कर प्रत्येक कार्य के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के संबंध में निगम अधिकारियों एवं कंसलटेंट से जानकारी प्राप्त की तथा तैयार ड्राइंग के अनुसार चिन्हित स्थल पर खुदाई कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन हेतु दरवाजे, खिड़कियों, फर्नीचर एवं टाइल्स आदि की क्वालिटी के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने जियो थर्मल एवं एयरकंडीशनर आदि कार्यों की प्रारंभिक तैयारी करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने स्ट्रक्चर एवं स्लैब आदि कार्यों को जून माह तक की समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जलप्रदाय व्यवस्था के अंतर्गत जोन क्रमांक 13 वार्ड क्रमांक 54 के अंतर्गत साकेत नगर स्थित दुर्गा मंदिर टंकी स्थित पम्प हाउस में स्थापित किये गये 60 एचपी पम्पों का जायजा लिया एवं अधिकारियों से जलप्रदाय के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि साकेत नगर एवं नारायण नगर स्थित क्षेत्रों में वर्तमान तक बायपास सप्लाई की जाती थी जिससे क्षेत्रों के रहवासियों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा था। नागरिकों की समस्या के दृष्टिगत् लगभग 24 लाख रूपये की लागत से सम्पटैंक की मरम्मत, विद्युत ट्रांस्फार्मर स्थापना, 60 एच.पी. के 02 नये पम्पों की स्थापना तथा टंकी से कनक्टविटी आदि कार्य कराये गए हैं।

नगम आयुक्त चौधरी ने जोन क्रमांक 15 वार्ड क्रमांक 63 के अंतर्गत रत्नागिरी स्थित उच्चस्तरीय टंकी परिसर में 10 लाख लीटर क्षमता के निर्माणाधीन सम्पटैंक एवं पम्प हाउस का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि रत्नागिरी स्थित 14 लाख लीटर क्षमता की उच्चस्तरीय टंकी के माध्यम से वार्ड क्रमांक 62, 63 एवं 64 के बालविहार, गादियापुरा, बिजली कालोनी, आनंद नगर, पुराना शिवनगर, रत्नागिरी स्थित मल्टी, गुप्ता कालोनी, सेंट पाल रोड, जेपी कालोनी, मानस विहार एवं अशोक विहार आदि क्षेत्रों के रहवासियों को एक दिन के अंतराल से जलप्रदाय किया जाता है जिसके कारण उक्त क्षेत्रों में जल समस्या बनी रहती थी। नागरिकों की समस्या के

मां तुझे प्रणाम योजना में 120 लाड़ली लक्ष्मियां 1 जून को जाएगी वाघा - हुसैनी वाला बार्डर

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार युवाओं में देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति जागृति लाने, राष्ट्र के प्रति समर्पण और युवाओं को सेना तथा अर्द्धसैनिक बलों के प्रति आकर्षित करने के उद्देश्य से माँ तुझे प्रणाम योजना की शुरूआत वर्ष 2013 में की गई। योजना में प्रदेश की 120 लाड़ली लक्ष्मी बेटियाँ 1 जून 2023 को वाघा-हुसैनीवाला (अमृतसर, पंजाब) की अनुभव यात्रा के लिए जायेंगी। ये लाड़ली बेटियाँ स्वर्ण मंदिर, जलियांवाला बाग, राम तीर्थ, वाघा बार्डर और हुसैनीवाला बार्डर का भ्रमण करेंगी। यात्रा में जाने वाली पंजीकृत बालिकाएँ 31 मई दोपहर 12 बजे तक भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में उपस्थित होंगी और 1 जून को दोपहर 3.30 बजे दादर-अमृतसर एक्सप्रेस से रवाना होंगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पिछले वर्ष यह निर्णय लिया कि प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी बेटियाँ भी इस योजना का हिस्सा बनेंगी। निर्णय के परिप्रेक्ष्य में गत वर्ष 2022 में 2 से 11 मई तक 200 लाड़ली लक्ष्मी बेटियों ने वाघा बार्डर की यात्रा की थी।

स म्पा द की य

चीता प्रोजेक्ट...उठते सवाल

मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में बड़े जोरशोर से अफ्रीका से चीते लाए गए थे, लेकिन यहां के वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञों के सारे दावे फेल हो गए और अब तक तीन चीते और तीन शावकों की मौत हो चुकी है। मादा चीता ज्वाला के एक-एक कर तीन शावकों की मौत ने जहां वन्य जीव प्रेमियों को मायूस किया है, वहीं अफ्रीका से चीते लाकर भारत के जंगलों को आबाद करने के इस प्रॉजेक्ट को सवालों के घेरे में भी ला दिया है।

असल में इस महत्वाकांक्षी प्रॉजेक्ट के तहत नामीबिया से 20 चीते लाए गए थे। पहली खेप के चीतों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों

नेशनल पार्क में छुड़वाया गया था। अच्छी धूमधाम हुई थी। बहुत बड़ा ईवेंट हुआ। फटाफट चीतों के नामकरण भी हो गए, लेकिन पिछले छह महीने में पहले तीन चीतों की मौत हुई। यहां आने के बाद 27 मार्च को ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था, जिसमें से तीन की मौत हो चुकी है।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे प्रॉजेक्टों का मूल्यांकन करते हुए जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने से बचा जाना चाहिए। न तो एकाध चीतों का जन्म इन प्रॉजेक्टों की सफलता का सबूत होता है और न कुछ चीतों की मौत इनकी नाकामी का ऐलान। लेकिन सवाल तो उठता ही है और उठेगा भी, कि एकाध मौत होती तो ठीक, कुल छह मौतें हो चुकी हैं। कहीं न कहीं कुछ वजह तो होगी ही। अगर इन मौतों ने जीव विज्ञानियों के बीच चिंता पैदा की है तो उसकी वजह इन मौतों के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे कारकों में देखी जा रही है। मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को हुई इन मौतों का कारण गर्मी, कुपोषण और उपचार के प्रयासों पर इनका कोई रेस्पॉन्स न देना बताया है। क्या इसका मतलब यह है कि इन चीतों और शावकों के लिए यहां का मौसम और परिवेश अपेक्षा से कहीं ज्यादा प्रतिकूल साबित हो रहा है? जानकारों के मुताबिक, आम तौर पर संरक्षित क्षेत्र में चीते के शावकों का सरवाइवल रेट काफी अच्छा होता है।

इस उम्र में शावकों के लिए सबसे पौष्टिक आहार मां का दूध होता है। करीब दो महीने की उम्र के ये शावक अगर कमजोर थे तो क्या इसका मतलब यह है कि उन्हें मां का पर्याप्त दूध नहीं मिल रहा था और अगर यह सच है तो क्या इसके पीछे कारण यह है कि मां में पर्याप्त दूध बन ही नहीं रहा था? इन सवालों के प्रामाणिक जवाब मिलने इसलिए भी मुश्किल हैं क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि इन शावकों और मादा चीता पर कैसे और कितनी नजर रखी जा रही थी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, चीता शावकों के पालन-पोषण में इंसानी दखल एक सीमा से ज्यादा नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे इनकी शिकार करने की क्षमता प्रभावित होती है। चूंकि इन्हें वन्य जीव के रूप में विकसित होना है, इसलिए इन्हें प्रतिकूलताओं से खुद जूझना और उनसे पार पाना सीखने देना बेहतर माना जाता है। विशेषज्ञ अपनी जगह सही हो सकते हैं, लेकिन चीतों और यहां पैदा हुए शावकों की मौत अपनी जगह है। मौतों का सिलसिला इन विशेषज्ञों की चिंता या सलाह तो नहीं रोक पा रही है।

वैसे हमारे देश में पुराने तमाम अनुसंधान और शोधों को बेकार घोषित कर पाठ्यक्रम से बाहर किया जा रहा है, जबकि हरेक अनुसंधान और अध्ययन का अपना स्थान होता है। इसका जिक्र इसलिए करना जरूरी है, क्योंकि हम डार्विन के मानव विकास सिद्धांत को नकार चुके हैं, जिसका अपना महत्व है। भले ही चीतों के कूनो में संरक्षण से इसका सीधा संबंध नहीं हो, लेकिन विकास के सिद्धांतों में जलवायु, मिट्टी, तापमान आदि का अपना महत्व होता है। और यदि हम ये कहें कि अफ्रीका के चीतों को भारत में वहां का पूरा वातावरण नहीं मिल सकता, तो विशेषज्ञों को भी आपत्ति हो सकती है। लेकिन आज हम जिन तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं, उनकी अधिकांश समस्याओं के पीछे पारिस्थिकी, जलवायी और भौगोलिक परिस्थितियों में बदलाव ही जिम्मेदार माना जा रहा है। उदाहरण के तौर पर हम मोटे अनाज की तरफ वापस जा रहे हैं, क्यों? क्योंकि बाहर से आया गेहूं हमें तमाम बीमारियां परोस चुका है।

अफ्रीकी चीतों को लेकर बारीकी से अध्ययन होना चाहिए। हम अपने पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए जंगलों को आबाद करना चाहते हैं तो केवल चीते इसके लिए जरूरी नहीं हैं। उनके लिए वैसा ही वातावरण भी बनाना होगा, जिसमें वे जिंदा रह सकें। जंगलों को तो हम कांक्रीट के जंगलों में बदल रहे हैं। पहाड़ों को निगलते जा रहे हैं। पर्यटन का भी इसमें योगदान है और धर्म का भी। हमें बुरा तो लगता है, लेकिन सच कड़वा ही होता है। सच यह है कि हम अपनी कब्र स्वयं खोद रहे हैं। चीतों की मौत हमें एक साथ कई संदेश देती है। एक तो शोध और अध्ययन ठोस हो। किसी की बेहतर सलाह भी मान लेना चाहिए। हर जगह राजनीति नहीं होना चाहिए। कूनो भी जैसे राजनीति का एक हिस्सा बना दिया गया। इवेंट पसंद लोगों को पता होना चाहिए कि प्रकृति उनके हिसाब से नहीं चलेगी।

न्यायपालिका और प्रशासन तंत्र की प्रतिबद्धता पर टकराव गंभीर

आलोक मेहता

एक बार फिर संविधानिक शक्तियों के अधिकार ,टकराव , समर्पण का विवाद गर्मा गया है। केंद्र की भाजपा सरकार ही नहीं अन्य राज्यों की अन्य दलों के नेता प्रशासन तंत्र पर नियंत्रण और अफसरों से राजनैतिक प्रतिबद्धता की अपेक्षा कर रहे हैं। न्यायपालिका अधिक सक्रिय होकर सरकारों को नए नए दिशा निर्देश तक दे रही है। ऐसा नहीं है कि यह भारत की समस्या है। अमेरिका में तो सर्वोच्च अदालत के जज तक राष्ट्रपति और संसद की स्वीकृति से बनते हैं। पाकिस्तान में तो निचली और उच्चतम अदालत , सत्तारूढ़ नेता और प्रतिपक्ष के नेता तथा सेना के बीच झूल रही है। इसराइल में जनता का एक वर्ग न्यायिक आज़ादी के मुद्दे पर बड़ा आंदोलन कर रहा है। लेकिन भारत की स्थिति सारे विवादों के बावजूद नरम गरम होकर नियंत्रित है। इसलिए केंद्र के कानून मंत्री किरण रिजिजू को अचानक हटाए जाने और प्रशासनिक राजनैतिक अनुभव वाले अर्जुन राम मेघवाल को मंत्रालय दिए जाने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच दिख रहा टकराव थमने की उम्मीद की जा सकती है। वैसे रिजिजू और मेघवाल को लोक सभा चुनाव के लिए पूर्वोत्तर और राजस्थान में अधिक भूमिका का महत्व भी समझा जाना चाहिए।

अदालत और प्रशासन तंत्र के मुद्दे पर केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली अखाड़ा बन गया है। अभी मंत्री का बदलाव हुआ और अगले दिन केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विपरीत अध्यादेश जारी कर सरकार और संसद के अधिकार का उपयोग कर लिया। दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को अधिकारियों के तबादले का अधिकार मिले अभी आठ दिन ही हुए थे कि केंद्र सरकार ने अध्यादेश के जरिये यह अधिकार फिर उप राज्यपाल को सौंप दिए। इस अध्यादेश के तहत केंद्र सरकार ने दिल्ली में अफसरों के तबादले-नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण का गठन किया है। मुख्यमंत्री प्राधिकरण के पदेन अध्यक्ष होंगे, जबकि दिल्ली के प्रधान गृह सचिव पदेन सदस्य-सचिव होंगे। मुख्य सचिव भी इसके सदस्य होंगे। यही प्राधिकरण सर्वसम्मति या बहुमत के आधार पर तबादले की सिफारिश करेगा, पर आखिरी फैसला दिल्ली के उपराज्यपाल का होगा। मुख्यमंत्री तबादले का फैसला अकेले नहीं कर सकेंगे। मतभेद होने की स्थिति में एलजी का फैसला फाइनल होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को आदेश दिया था कि अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग की पावर दिल्ली सरकार के पास रहेगी। केंद्र ने अध्यादेश के जरिए कोर्ट का फैसला पलट दिया है। बाद में संसद में इससे जुड़ा कानून भी बनाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली सरकार के वकील रहे अभिषेक मनु सिंघवी ने इस अध्यादेश को बेहद खराब तरीके से बनाया गया करार दिया। उन्होंने लिखा, अध्यादेश जिस व्यक्ति ने तैयार किया है उसने बेहद आसानी से कानून की अवहेलना की है। सिविल सेवा पर दिल्ली सरकार को अधिकार संविधान पीठ ने दिया था जिसे अध्यादेश के जरिये पलट दिया गया। संघवाद संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है जिसे नुकसान पहुंचाया गया है। चुनी हुई सरकार के प्रति अधिकारियों की जवाबदेही को सिर के बल पलट दिया गया। अब दिल्ली सरकार फिर सुप्रीम कोर्ट की

अवमानना के तर्क पर अदालत की शरण ले सकती है।

अदालत से टकराव पिछले महीनों में बढ़ता गया । रिजिजू जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली की खुलकर आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने इसे संविधान से अलग भी करार दिया। कहा जाने लगा कि केंद्र सरकार जजों की नियुक्ति में अपनी भूमिका चाहती है। हाल के महीनों में मोदी सरकार के मंत्री रिजिजू जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी कर रहे थे, उसने शायद सरकार को असहज कर दिया। हालात ऐसे बन गए कि सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कॉलेजियम सिस्टम के खिलाफ की गई टिप्पणी पर कार्रवाई की मांग की जाने लगी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि उसके पास इससे निपटने के लिए व्यापक दृष्टिकोण है। रिजिजू ने कहा था कि जजों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली पारदर्शी नहीं है। न्यायपालिका बनाम सरकार की बातें जब मीडिया में आतीं तो रिजिजू सफाई भी देते कि लोकतंत्र में मतभेद अपरिहार्य हैं। उन्होंने कहा था कि सरकार और न्यायपालिका के बीच मतभेदों को टकराव नहीं माना जा सकता है।सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जज कोई सरकार नहीं हैंज जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम संविधान के लिए एलियन हैज जजों के लंबी छुट्टी पर जाने से कोर्ट में मामले लंबित होंगे।'

कॉलेजियम सिस्टम के विरोध में रिजिजू ने दिल्ली हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज आर.एस. सोढ़ी के इंटरव्यू का अंश ट्वीट किया। न्यायमूर्ति सोढ़ी (सेवानिवृत्त) कहते हैं कि कानून बनाने का अधिकार संसद के पास है और सुप्रीम कोर्ट कानून नहीं बना सकता क्योंकि उसके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। सोढ़ी ने कहा था कि क्या आप संविधान में संशोधन कर सकते हैं? केवल संसद ही संविधान में संशोधन करेगी। जब कोई जज बनता है तो उसे चुनाव का सामना नहीं करना पड़ता। जजों के लिए कोई सार्वजनिक जांच भी नहीं होती।

रिजिजू ने यह भी कहा था कि भारतीय न्यायपालिका में कोई आरक्षण नहीं है। मैंने सभी जजों और विशेष रूप से कॉलेजियम के सदस्यों को याद दिलाया है कि वे पिछड़े समुदायों, महिलाओं और अन्य श्रेणियों के सदस्यों को शामिल करने के लिए नामों की सिफारिश करते समय ध्यान में रखें क्योंकि उनका न्यायपालिका में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज रोहिंटन फली नरीमन ने कॉलेजियम सिस्टम के खिलाफ बोलने पर कानून मंत्री रिजिजू की आलोचना की थी। उन्होंने जजों की नियुक्ति में केंद्र के दखल को लोकतंत्र के लिए घातक बताया। कॉलेजियम के नामों को सरकार द्वारा कथित तौर पर लटकाने पर भी काफी विवाद हुआ। रिजिजू के बयानों को सुनकर विपक्ष कहने लगा कि सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट को धमकाया जा रहा है।

संविधान में उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति में राष्ट्रपति यानी कार्यपालिका (सरकार) को प्राथमिकता दी गई है। संविधान के अनुच्छेद 124 (2) के मुताबिक 'उच्चतम न्यायालय के और राज्यों के उच्च न्यायालयों के ऐसे न्यायाधीशों से परामर्श करने के पश्चात, जिनसे राष्ट्रपति इस प्रयोजन के लिए परामर्श करना आवश्यक समझे, राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्चतम न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा.' संवैधानिक भाषा में इस अनुच्छेद में जो लिखा है, उसका मतलब है कि राष्ट्रपति जजों की नियुक्त के लिए जजों से परामर्श ले सकता है। इसमें राष्ट्रपति की सर्वोच्चता निहित है।

ये व्यवस्था 1993 तक चलती रही. हालांकि, इस बीच जजों की नियुक्तियों से संबंधित कई विवाद हुए जिसमें कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच खींचतान भी शामिल है। 1981 में पहले जजेज केस में परामर्श का अर्थ राय-विचार लेना बताया गया, लेकिन 1993 में दूसरे जजेज केस में सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना फैसला बदल दिया और परामर्श का मतलब 'सहमति' बताया। आम भाषा में इसका मतलब ये हुआ कि जजों की नियुक्ति के लिए जजों की सहमति चाहिए यानी जज जिसे कहेंगे, उन्हें राष्ट्रपति जज नियुक्त करेंगे। इसी फैसले से कॉलेजियम सिस्टम अस्तित्व में आया। 1998 में तीसरे जजेज केस में कॉलेजियम सिस्टम की कार्यप्रणाली का निर्धारण हुआ।

ऐसा माना गया कि इस व्यवस्था में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता की रक्षा होगी और सरकार के हस्तक्षेप से न्यायपालिका को बचाया जा सकेगा. चूंकि इससे पहले, खासकर इंदिरा गांधी के शासनकाल में सरकार द्वारा न्यायपालिका को प्रभावित करने के मामले हुए थे, इसलिए जनमत भी इस पक्ष में था कि न्यायपालिका को सरकार के हस्तक्षेप से बचाया जाए। इसलिए उस दौर में, कॉलेजियम सिस्टम का खास विरोध भी नहीं हुआ। लेकिन बाद में कॉलेजियम सिस्टम की बुराइयां सामने आने लगी। राजनेता ही नहीं पूर्व न्यायाधीश और कई बड़े वकील इस व्यवस्था की गड़बड़ियां गिनाने लगे। न्यायपालिका में फैसले देने की रफ्तार बेहद सुस्त पड़ गई। कई विवाद भी हुए. इस कारण न्यायपालिका की बदनामी हुई है और जजों के टकराव से न्यायपालिका कई बार संकट में भी आई। आलोचकों ने इस व्यवस्था की कमिया गिनाई 'कॉलेजियम सिस्टम संविधान की व्यवस्थाओं के खिलाफ है क्योंकि जजों की नियुक्ति जजों का नहीं, सरकार का काम है. जजों द्वारा जजों की नियुक्ति का सिस्टम दुनिया में कहीं और नहीं है। कॉलेजियम सिस्टम के कारण जजों के बीच आपसी पॉलिटिक्स होती है और जज फैसला लिखने से ज्यादा ध्यान इस बात पर लगाते हैं कि कौन जज बने. इस वजह से जजों के बीच गुटबाजी होती है और नियुक्तियों में देरी होती है। इस सिस्टम में भाई-भतीजावाद है क्योंकि ज्यादातर जज अपने रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों की ही सिफारिश जज बनाने के लिए करते हैं। कॉलेजियम सिस्टम आने से पहले यानी 1993 से पहले जो व्यवस्था थी, उससे बेहतर जज बन रहे थे और विवाद भी कम होता था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल की शुरुआत में ही कॉलेजियम सिस्टम को खत्म कर नियुक्ति प्रक्रिया में सरकार, विपक्ष और जानकारों को शामिल करके आयोग बनाने की व्यवस्था लाने की कोशिश की थी, इसके लिए संविधान संशोधन भी किया गया और नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन कानून, 2014 भी पारित किया गया. लेकिन तब वे नए-नए आए थे और सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था। अब जबकि कॉलेजियम सिस्टम की बुराइयां उभरकर सामने आ गई हैं, तब सरकार इस मसले पर फिर विचार कर रही है। संभव है कि उसका इरादा नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन कानून को नए सिरे से लाने का हो और संसद में प्रस्ताव लाया जाए। देश के इतिहास में अलग-अलग समय पर न्यायपालिका की अलग-अलग प्रतिक्रिया के बावजूद ये पूरी तरह स्पष्ट है कि उसने भारत में स्वतंत्रता और लोकतंत्र की मज़बूती एवं रक्षा करने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। अब समय आ गया है जब हर संस्थान के सामने आने वाली चुनौतियों को लेकर आत्मनिरीक्षण हो और उसका एक समाधान तलाशने की ज़रूरत है।

लोकतंत्र के मंदिर संसद पर राजनीति न करें

राकेश दुबे

देश की नयी संसद के उद्घाटन को लेकर जिस तरह विवाद सामने आ रहे हैं, उसे भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। अब देश के 20 राजनीतिक दलों ने नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है, तो लगभग 25 दलों द्वारा इस समारोह के समर्थन का प्रचार किया जा रहा है । यह प्रधानमंत्री के महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का एक अंग है। इस उद्घाटन विवाद में देश के राष्ट्रपति को भी शामिल कर लिया गया है। यही से राजनीति शुरू हुई है, जो नहीं होना चाहिए थी। इस विषय को लेकर सर्वोच्च न्यायालय पहुँचे, अधिवक्ता ने अपना वाद भी वापिस ले लिया।

विपक्षी दलों की दलील है कि राष्ट्रपति के बिना संसद कार्य नहीं कर सकती। उनके बिना नये संसद भवन का उद्घाटन संविधान के पाठ और उसकी भावना का उल्लंघन है। उनकी दलील है कि भारत के संविधान के अनुसार संसद राष्ट्रपति और दोनों सदनों से मिलकर बनती है। वहीं भाजपा नेता पुरानी परंपरा का हवाला देकर कह रहे हैं कि आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संसद की एनेक्स बिल्डिंग की आधारशिला रखी थी व राजीव गांधी ने 1987 में संसद के पुस्तकालय भवन का शिलान्यास किया था। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी विपक्ष से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आह्वान करते हुए विपक्ष द्वारा गैर मुद्दे को मुद्दा बनाने की बात कह रहे हैं। उनका मानना है कि लोकसभा अध्यक्ष संसद के संरक्षक हैं। अध्यक्ष ने ही प्रधानमंत्री को उद्घाटन के लिये आमंत्रित किया है ।

संसद भवन का यह उद्घाटन एक ऐतिहासिक घटना है और प्रत्येक घटना का राजनीतिकरण करना उचित है यह देश के राजनीतिक दलों को सोचना चाहिए। इस नये संसद भवन का निर्माण कार्य 2021 में आरंभ हुआ था और 28 महीने में इसे पूरा कर लिया गया। अब 28 मई को इस नये भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे। सरकार की तरफ से कहा गया है कि नये संसद भवन का निर्माण साठ हजार श्रमयोगियों ने किया है। उल्लेखनीय है कि 19 पार्टियों द्वारा बहिष्कार के बावजूद अकाली दल, बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगी। विपक्ष के विरोध का एक कमजोर तर्क यह भी है कि 28 मई को हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की जयंती है और यह राष्ट्र निर्माताओं के धर्मनिरपेक्ष विचार के विपरीत है।कमजोर इसलिए कि राजनीति स्वतंत्रता आंदोलन के एक पक्ष को ही याद रखना चाहती है।

विपक्ष यह भी आरोप लगाता है कि प्रधानमंत्री इवेंट मैनेजमेंट के जरिये राजनीतिक लाभ लेने के प्रयास में हमेशा रहते हैं। वे अन्य लोगों को इसका मौका नहीं देते। कांग्रेस समेत विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि राष्ट्रपति इस देश की प्रमुख हैं। आदिवासी महिला होने के साथ संसद की संरक्षक भी हैं। उनके हाथों नये संसद भवन का उद्घाटन कराना प्रोटोकॉल का तकाजा भी है। प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन से यह कार्यक्रम एक पॉलिटिकल इवेंट बन जायेगा। उनकी दलील है कि नया संसद भवन एक इमारत मात्र नहीं है। यह प्राचीन परंपराओं, मूल्यों के साथ ही भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद भी है। वहीं सरकार कहती है कि देश में बढ़ती आबादी के साथ नये लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन होता है तो उसके अनुरूप भविष्य में संसद में अधिक सांसदों के बैठने की जगह होनी चाहिए। ताकि संसद का कार्य सुचारू रूप से चल सके। साथ ही सांसदों से जुड़े विभागों के कार्यालयों के एक ही जगह होने से कार्यप्रणाली को सुचारू बनाया जा सकेगा।

नये संसद भवन के लोकसभा कक्ष में 888 सदस्य और राज्यसभा कक्ष में तीन सौ सदस्य आराम से बैठ सकेंगे। नये संसद भवन को चार मंजिला व भूकंपरोधी बनाया गया है। जिसमें तीन मुख्य द्वारों को ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार नाम दिया गया है। उल्लेखनीय है कि नये लोकसभा भवन में इतनी जगह होगी कि दोनों सदनों का संयुक्त सत्र बुलाया जा सकेगा। सरकार का तर्क है कि ब्रिटिश राजसत्ता के दौरान निर्मित मौजूदा संसद भवन 96 साल पहले 1927 में बनाया गया था और उसका अधिकतम उपयोग हो चुका है। लेकिन इसके बावजूद नये संसद भवन का उद्घाटन यदि सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी व सहमति से होता तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रेरक छवि उभरती। संसद देश के एक सौ चालीस करोड़ से अधिक लोगों के लिये लोकतंत्र का मंदिर है।?उसकी शुचिता-गरिमा को बनाये रखना सभी राजनीतिक दलों का दायित्व भी है। सत्तापक्ष व विपक्ष को इसका ध्यान रखना होगा।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, ग्रीन टेक्नॉलजी से कैसे बदलने जा रही है रोजगार की दुनिया

सादिया जाहिदी

पिछले दो साल दुनिया भर के श्रमिकों के लिए उथल-पुथल भरे रहे। महामारी और उसके बाद यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते वास्तविक मजदूरी में गिरावट आई। जेनरेटिव एआई (टेक्स्ट, इमेज आदि कंटेंट मुहैया कराने वाली आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) के आने से खास तौर पर वाइट कॉलर जॉब्स में बदलाव की एक नई लहर का अंदेशा पैदा हो गया है। ग्रीन एनर्जी को अपनाने पर भी जोर बढ़ा है। इससे ऐसे उद्योग जिनसे अधिक प्रदूषण होता है, वहां भी छंटनी के आसार बढ़ रहे हैं। ऐसा हरेक बदलाव श्रमिकों के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला है। वहीं, इन सबके मिले-जुले असर की बात की जाए तो आजीविका का व्यापक संकट दिखता है।

आने वाले पांच साल

मजदूर दिवस के मौके पर जारी वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम की भविष्य रोजगार रिपोर्ट 2023 अगले पांच वर्षों के दौरान मैक्रो ट्रेंड्स और टेक्नॉलजी में बदलावों के रोजगार और कौशल पर पड़ने वाले असर का लेखा-जोखा पेश करती है। इसके आकलन के कुछ पहलू खास तौर पर ध्यान देने लायक हैं।

आने वाले पांच वर्षों में दुनिया भर में 23 फीसदी रोजगार बदल जाएंगे।

67.3 करोड़ श्रमिकों वाली 45 अर्थव्यवस्थाओं में 6.9 करोड़ नए रोजगार बनने की संभावना है।

8.3 करोड़ नौकरियां खत्म होने के आसार हैं।

यानी नौकरियों में कुल 1.4 करोड़ की कटौती होगी।

भारत में 22 फीसदी रोजगार बदलेंगे। इनमें 12 फीसदी की बढ़ोतरी होगी तो 10 फीसदी रोजगार कम

होंगे।

ग्रीन टेक्नॉलजी में निवेश और टिकाऊ विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर कंस्यूमर्स में बढ़ती जागरूकता से नए अवसर बनेंगे। रीन्यूएबल एनर्जी इंजीनियर, सोलर एनर्जी इंस्टॉलेशन और सिस्टम्स इंजीनियर से लेकर सस्टेनेबिलिटी स्पेशलिस्ट और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़े प्रफेशनल्स तक की मांग में भारी बढ़ोतरी होगी। कुल मिलाकर लगभग एक करोड़ नए रोजगार बन सकते हैं।

सबसे ज्यादा रोजगार शिक्षा (करीब 30 लाख) और कृषि क्षेत्र (40 लाख) में बनने वाले हैं। इसके पीछे कुछ तो डेमोग्राफी की भूमिका होगी और कुछ इन क्षेत्रों में लागू होने वाली नई टेक्नॉलजी की। सप्लाई चेन में बदलाव और अन्य वजहों से जो नया आर्थिक ढांचा बन रहा है, उसकी भी नए रोजगार मुहैया कराने में बड़ी भूमिका रहेगी। हालांकि इसका ज्यादा फायदा एशिया और पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाओं को होने वाला है।

नई टेक्नॉलजी अपनाने से करीब एक चौथाई कंपनियों में रोजगार कम होंगे, जबकि आधे से ज्यादा कंपनियों में रोजगार बढ़ेंगे। लेकिन इंसान-मशीन मोर्चे पर हालात बिल्कुल अलग मोड़ लेने वाले हैं। मशीनों की वजह से शारीरिक काम छिनने की स्थितियां कम होंगी, लेकिन ऐसे काम जिनमें तर्क, संवाद और समन्वय की जरूरत होती है, मशीनों के हिस्से जाने के आसार दिखाई दे रहे हैं।

सर्वे में शामिल 75 फीसदी कंपनियों में जेनरेटिव एआई अपनाई जाने वाली है और इससे भी नौकरियों पर कम खतरा नहीं है। खासकर बैंक कैशियर, क्लर्क, सेक्रेटरी और अकाउंटिंग जैसे काम इससे सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते हैं। फिर भी रोजगार छिनने के पीछे सबसे बड़ी भूमिका होगी आर्थिक सुस्ती, लागत में बढ़ोतरी और कम होती क्रय शक्ति की।

जिन स्किल्स की मांग सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रही है, उनमें रचनात्मक और विश्लेषणपरक चिंतन, तकनीकी साक्षरता, जिज्ञासा और एआई शामिल हैं।

भारत में कामगारों के बुनियादी स्किल्स में 46 फीसदी बदलाव होगा, जो वैश्विक औसत से ज्यादा है। कंपनियां श्रमिकों की स्किल में बेहतरी को लेकर प्राथमिकताएं तय कर रही हैं। इनमें से 60 फीसदी स्किल में आए गैप से परेशान हैं तो 54 फीसदी की फिक्र यह है कि प्रतिभाशाली लोगों को कैसे आकर्षित किया जाए। ऐसे में वर्कर, एम्प्लॉयर और सरकार भविष्य के रोजगार के लिए तैयारी कैसे करें?

टेक्नॉलजी की प्रधानता, हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने और वैश्वीकरण घटने वाले दौर में लोकल स्किल डिवेलपमेंट सबसे ज्यादा काम आएगा। एनालिटिकल और इंटरपर्सनल स्किल और टेक्नॉलजी के साथ काम को समझने की क्षमता काफी अहम होगी।

हर स्टूडेंट को, चाहे उसका क्षेत्र कोई भी हो, इन स्किल को विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।

जो क्षेत्र उतार पर हैं, उनके मजदूरों को रीस्किलिंग और ट्रांजिशन के प्रयासों पर खासा जोर देने की जरूरत है।

जो क्षेत्र बढ़त पर हैं उनमें लगातार सीखने की क्षमता विकसित करने पर ध्यान देना होगा।

स्किल में बेहतरी के लिए सरकारों को ही संसाधन और रोडमैप मुहैया कराना होगा। नई टेक्नॉलजी को सुरक्षित बनाने के लिए नियम-कानूनों में जरूरी बदलाव सुनिश्चित करना और श्रमिकों की सहायता दोनों जरूरी हैं और इनके बीच संतुलन बनाए रखना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती होगी।

एम्प्लॉयर्स की चुनौती

एम्प्लॉयर्स को भी अपने लेवल पर रीस्किलिंग और और अपस्किलिंग में निवेश करना होगा। ज्यादातर एम्प्लॉयर्स की अपेक्षा रहती है कि निवेश पर एक साल के अंदर रिटर्न मिलने लगे। लेकिन सर्वश्रेष्ठ एम्प्लॉयर्स आगे बढ़कर कंपनी से बाहर भी वर्कर्स को स्किल बढ़ाने में मदद करते हैं और भर्ती के दौरान शैक्षणिक योग्यता या पहले के काम के बजाय स्किल को शीर्ष प्राथमिकता देते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

कूनो से आशा फिर फरार, पन्ना की बाघिन ड्रोन से ढूंढी

शिवपुरी -एक दूसरे से सटे माधव नेशनल पार्क व कूनो नेशनल पार्क बाघ और चीतों की वजह से लगातार सुर्खियों में हैं। कूनों कभी चीतों की मौत तो कभी उनके भागने को लेकर चर्चाओं में हैं। बीते दिन जहां ज्वाला चीता के दो शावकों की मौत हो गई।वहीं शुक्रवार को तीसरी बार फिर मादा चीता आशा कूनों से भाग गई है। जबकि गुरुवार को वन मंत्री ने चीतों की हो रही मौत को देखते हुए उन्हें कूनो नेशनल पार्क से गांधी सागर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में शिफ्ट करने की बात कही है। बताया जा रहा है कि मादा चीता आशा पिछले 4 दिनों से कूनो नेशनल पार्क की सीमा से बाहर है। फिलहाल मादा चीता आशा की लोकेशन शिवपुरी जिले में मिल रही है।कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन की एक टीम लगातार मादा चीता आशा की ट्रैकिंग में जुटी हुई है। टीम द्वारा चीते की सुरक्षा और उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।मादा चीता आशा की लोकेशन बुधवार की देर शाम शिवपुरी जिले में पोहरी थाना क्षेत्र के बैहटा-बैंहठी और बुरखेड़ा गांव के नजदीक बताई गई थी। गुरुवार की सुबह लोकेशन शिवपुरी जिले के झिरी गांव के पास बताई जा रही है। झिरी गांव माधव नेशनल पार्क की सीमा से काफी नजदीक है। वहीं बीते रोज शिवपुरी के अभ्यारण्य में पन्ना की बाघिन की लोकेशन मिलनी बंद होने से अभ्यारण्य प्रबंधन के होश फाख्ता हो गए।पार्क में छोड़े गए 3 टाइगर में से पन्ना वाली बाघिन बीते रोज ट्रेकिंग स्क्रीन से गायब हो गई थी। मादा टाइगर की लोकेशन मिलना बंद हो गई।ट्रेकिंग टीम ने आनन-फानन में ड्रोन कैमरा मंगवाकर उसे डैम के आसपास उड़ाकर जब स्क्रीन पर देखा तो अमोला सब रेंज में पारागढ़ के जंगल की पहाड़ी पर मादा टाइगर की लोकेशन नजर आ गई।इसके बाद न केवल पार्क की ट्रेकिंग टीम ने राहत की सांस ली।तीनों टाइगर में दो ने अपना परिवार बना लिया है किंतु यह बाघिन अभी अकेली घूम रही है।

पहले अपहरण फिर फोटो से ब्लैकमेल कर 10 लाख की मांग

शिवपुरी - शहर के फिजीकल थाना सीमा की न्यू दर्पण कॉलोनी से एक व्यापारी के अपहरण का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। अपहरणकर्ताओं ने अपहृत व्यापारी का मोबाइल छीनकर उसमें से पर्सनल फोटो निकालकर व्यापारी को मुक्त कर दिया लेकिन पत्नी के पर्सनल फोटो की दम पर 10 लाख रुपए की मांग की है। इशांक पुत्र बैनी प्रसाद मिश्रा ने बताया कि 22 मई की रात मेले में लगाई कपड़े की दुकान बंद कर अपने घर कार से आ रहा था,कॉलोनी में घुसते ही एक सफेद रंग की कार ने उसकी कार को टक्कर मार दी। इसके बाद कार से 4 से 5 की संख्या में बदमाश उतरे और उन्होंने डंडों से मेरी मारपीट कर दी और कार के कांच तोड़े और मुझे घसीटते हुए कार में बैठाकर मारपीट करते हुए बदरवास ले गए। बदमाशों ने मेरे 3 आईफोन छीन लिए और उनके पासवर्ड भी ले लिए है। इस दौरान बदमाशों ने मेरे मोबाइल से फोटो निकाल लिए और उन्हें वायरल करने की धमकी देते हुए उससे 10 लाख रूपए की मांग करने लगे। जब मैंने कहा कि इतने पैसे मेरे पास नहीं है। मैं अपने पिता से कहकर उन्हें रुपए दिलवा दूंगा, मुझे छोड़ दें। जिस पर बदमाशों ने मुझे तीन दिन की मोहलत देकर कार से घायल अवस्था में नीचे फेंक दिया और मेरे गले में पहनी सोने की चैन,अंगूठी, ब्रेसलेट व नकदी लूट लिए। इशांक ने लौटकर परिवारजनों को कुछ नहीं बताया पर कुछ दिनों बाद उसकी पत्नि के नंबर पर व्हाट्सएप कॉल आया, जिस पर बदमाशों ने कहा कि अभी तक 10 लाख रुपए नहीं भिजवाए हैं। अगर जल्द ही उन्हें रुपए नहीं मिले तो वह उसकी पत्नी के फोटो व वीडियो वायरल कर देंगे।

आहना की अपने पिता कृष्णगोपाल पाठक के साथ भजन संध्या अमोदा में आज

ओबैदुल्लागंज संवाददाता ..27 मई, शनिवार शाम 7 बजे से खेड़ापति माता मंदिर अमोदा गौहरगंज के प्रांगण में सुप्रसिद्ध गायिका 14 वर्षीय आहना कृष्ण पाठक, 8 वर्षीय सुदीक्षा एवं 7 वर्षीय श्लोका पाठक अपने पिता कृष्णगोपाल पाठक जी के साथ अपने कार्यक्रम ÷सबके राम - सबमें राम÷ को प्रस्तुत करने जा रही हैं ! प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण एवं महादेव जी के गुण एवं भजनों के साथ सनातन संस्कृति, अपनी मातृभूमि एवं अपने महान पूर्वजों का गौरवगान का यह कार्यक्रम सागर, ओरछा-पृथ्वीपुर, मुख्यमंत्री निवास भोपाल, मंडीदीप, कोलार भोपाल, इंदौर, महू, रतलाम, विदिशा, सुल्तानपुर, सेन्ट्रल लायब्रेरी भोपाल, गैरतगंज, भोपाल उत्सव मेला, औबेदुल्लागंज सहित अन्य अनेक स्थानों पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं के मध्य आयोजित हो चुका है !

ज्ञान ज्योति इंग्लिश मीडियम में सफलता का परचम लहराया

नैनपुर नैनपुर विकास समिति द्वारा संचालित ज्ञान ज्योति इंग्लिश एवं अंग्रेजी माध्यम में 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में उच्च स्तरीय सफलता जीतकर नगर का गौरव बढ़ाया संस्था के सचिव बेनी श्याम खंडेलवाल में जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में भारी सफलता के लिए समिति के साथ ही अध्यापक गण की अहम भूमिका है घोषित बोर्ड परीक्षा के दसवीं एवं 12वीं कक्षा के सत प्रतिशत परीक्षा परिणाम आए हैं 12वीं के वाणिज्य संकाय की * सूची में दिव्या सी जैन पिता शरद जैन ने 96त्न अंक लेकर प्रवीण सूची में कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान प्राप्त किया छात्रा जानवी चंदेला पिता सत्यप्रकाश चंदेला 12वीं अंग्रेजी माध्यम संकाय में चौथा स्थान प्राप्त किया कक्षा दसवीं मैं छात्रा जीशान कुरैशी पिता सफीक कुरैशी 98.2त्न अंक लेकर स्थान तेजस ठाकुर पिता दीपक ठाकुर ने 98 शिक्षक एवं ऋषि कांत रंजन प्रचार रंजीत कुमार ने 98त्न अंक लेकर पांचवें स्थान में सफलता अर्जित की 10 वीं हिंदी माध्यम में छात्रा श्रुति पिता राजेश कुमार 97.4 अंक लेकर आठवां स्थान एवं दसवीं अंग्रेजी माध्यम में छात्रा नूपुर भलावी पिता उमाशंकर भलावी ने 97त्न अंक लेकर नौवां स्थान प्राप्त किया जिला सूची में कक्षा 12वीं में अंग्रेजी माध्यम से छात्र प्रांजल सिंह राजपूत पिता विनोद राजपूत गणित संकाय में 94.8 अंक लेकर प्रथम स्थान एवं छात्रा मनीषा खत्री पिता जितेंद्र कुमार खत्री वाले संकाय में 93.8 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया 10 वीं हिंदी माध्यम में छात्र कीर्ति जिला श्री राजेश 90त्न अंक लेकर तीसरा स्थान एवं दसवीं अंग्रेजी माध्यम में छात्रा अक्षरा खंडेलवाल राजीव खंडेलवाल ने त्न 96त्न अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया

भोजपुर विधायक पटवा ने की पहल कार्यक्रम की शुरुआत

ओबैदुल्लागंज . एक नई पहल में लोगों ने बताई समस्या ओर, दिए सुझाव्न्नगर को सुंदर बनाने और सभी वार्डों की स्वच्छता की रखी बात, नपा अध्यक्षा बोली-सभी के सहयोग से विकास हमारी प्राथमिकता

नगर के वरिष्ठ जनों एवं समाजसेवी को पत्रकारों व्यापारी महासंघ अध्यक्ष किराना व्यापारी अध्यक्ष ढाबा संघ अध्यक्ष होटल संघ अध्यक्ष पार्षद गण का एक नई पहल कार्यक्रम शुक्रवार को ओबैदुल्लागंज नगर के जेबी गार्डन भोपाल रोड में आयोजित हुआ। इसमें वार्ड 1,2,3,4,5,6,7, 8, 9, 10, 11, 12 13, 14, 15, के जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं एवं सुझाव भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे , के सामने रखीं जल्द से जल्द इन समस्याओं को हल कराने के लिए विधायक एवं नगर पालिका अध्यक्ष ने नगरवासियों को आश्वासन दिया।

शहर को सुंदर बनाने के लिए दिए सुझाव वार्ड 4 की वरिष्ठ महिला ने

कहा कि ओबैदुल्लागंज का मेन चौरह नगर का हृदय स्थल है। यहां पर एक रोटरी का निर्माण करवा दिया जाए। साथ ही एक सर्व सुविधायुक्त सुलभ शौचालय और पार्किंग का निर्माण बेहद जरूरी है। अभी खुले में लोग बाथरुम के लिए जा रहे हैं, जिससे शर्मदंगी महसूस होती है। गोहरगंज रोड पर हाथ ठैलों वालों को सब्जी मंडी हॉट बाजार में शिफ्ट किया जाए, यात्री बस एवं टेंपो को अपनी उचित जगह पर ही खड़े होने दिया जाए। ताकि शहर सुंदर लग सके। एवं बार-बार जाम की स्थिति से निजात मिल सके

वरिष्ठजनों ने कहा कि वार्डों में नालियों का निर्माण लेबल लेकर किया जाए, ताकि पानी निकासी सही तरीके से हो सके। वही बारिश के दिनों में वार्डों में सड़कों पर नाली की गंदगी बहती है, इसके स्थाई रूप से समाधान होना चाहिए। वहीं सड़कों पर आवारा मवेशियों को हटाने के प्रयास करना चाहिए क्योंकि मवेशियों की वजह से कई बार एक्सीडेंट हो जाते हैं। वही बस स्टैंड पर अतिक्रमण ओवर ब्रिज के नीचे अवैध कब्जे एवं बिजली के ट्रांसफार्मर पर खुले में तार नगर के दोनों तरफ रोड के आरसीसी के रोड बनाए जाएं , सरकारी हॉस्पिटल में भी कई अनियमितताएं हैं जिन को दुरुस्त किया जाए। इन सब सुझावों को भोजपुर विधायक ने गंभीरतापूर्वक सुना एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया वहीं उन्होंने हर वार्ड में 11 सदस्य समिति बनाने पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों ने कहा नपा को जहां भी हमारी जरूरत होगी, वह हम साथ देने के लिए तैयार हैं। इस मौके पर भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे, एसडीएम प्रमोद गुर्जर, थाना प्रभारी संदीप चौरसिया, सीएमओ मैडम सोनाली शर्मा ओबैदुल्लागंज, सीएमओ मंडीदीप,अशोक सेठी, रविंद्र विजयवर्गीय,अशोक मित्तल, बबलू कहार विक्रम धाड़ी, नीरज चावला, देवेंद्र सिंह राजू भैया, मनोज मेघानी, जगदीश मामा, मंच संचालन राम नंदवंशी।अन्य विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे

इनका कहना

भोजपुर परिवार से समस्या और सुझाव मांगे थे जिसमें महत्वपूर्ण बात हम अपने नगर को स्वास्थ्य और सुंदर कैसे बना सकते हैं यह आने वाले समय मैं देखने को मिलेगा।

भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया

ग्राम पंचायत माधोपुर के सचिव को निलंबित किया

रतलाम 7 जिला पंचायत सीईओ जमुना भिड़े ने शुक्रवार को जनपद आलोट की ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। पूर्ण हो चुके कार्यों का निरीक्षण किया। प्रगतिरत कार्यों का जायजा लिया। जनपद पंचायत सभाकक्ष में सचिवों की बैठक लेकर संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान श्रीमती भिड़े द्वारा ग्राम पंचायत खेताखेड़ी, निपनिया लीला, लूनी एवं रिछां का भ्रमण किया गया।

खेताखेड़ी में नवीन स्वीकृत ग्राम पंचायत भवन का निर्माणकार्य बंद पाया गया। निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा है, सामान्य स्वच्छता की स्थिति भी ठीक नहीं पाई गई। ग्राम सचिव गजेंद्रसिंह डोडिया का फटकार लगाकर दो दिवस में ग्राम की स्थिति सुधारने की हिदायत दी गई। अधूरे पड़े पंचायत भवन का निर्माण तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत निपनिया लीला में गौशाला, सेग्रीगेशन शेड एवं पौधारोपण का निरीक्षण किया गया। ग्राम सचिव को शीघ्र कचरा संग्रहण वाहन क्रय कर अपशिष्ट प्रबंधन कार्य शुरू करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम पंचायत रिछा एवं लूनी में ग्राम पंचायत भवन सेग्रीगेशन शेड एवं कचरा संग्रहण वाहन का निरीक्षण किया गया।

भाजपा मंडल की कार्यसमिति बैठक संपन्न

विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत विशिष्ट हस्तियों का सम्मान

धार ! भारतीय जनता पार्टी धार नगर केसरीमल सेनापति मंडल की मंडल कार्यसमिति बैठक भाजपा कार्यालय धार पर संपन्न हुई, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार अपने 9 वर्ष पूर्ण कर रही है इस अवसर पर 30 मई से 30 जून 2023 तक अपने मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ पर कार्यक्रम आयोजित कर विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा । भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प पूर्व विधायक करणसिंह पवार ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब, शोषित और वंचितों के कल्याण हेतु समर्पित सरकार है, आज देश का गौरव विश्व पटल पर लगातार बढ़ रहा है, हमारा देश एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है, विशेष जनसंपर्क अभियान के मंडल प्रभारी मुख्य वक्ता भाजपा नेता रवि पाठक ने कहा कि भाजपा कि केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने साहसिक निर्णय और सुदृढ़ नेतृत्व से जनमानस की अपेक्षाओ को पूरा कर हम संकल्प से सिद्धि की ओर बड़ रहे हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के विकास कार्यों, ऐतिहासिक उपलब्धियों को लेकर बूथ स्तर पर व्यापक अभियान चलाकर जन जन तक पहुंचाने का आह्वान कार्यकर्ताओं से किया ।

विशेष जनसंपर्क अभियान के जिला प्रभारी और भाजपा जिला महामंत्री सन्नी रिन ने बैठक को संबोधित करते हुए 1 माह के कार्यक्रमों को विस्तार से बताया उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार इस अभियान में लोकसभा स्तर पर 1000 विशिष्ट हस्तियों का सम्मान सहित लोकसभा स्तर पर जनसभा, प्रेस वार्ता, प्रबुद्धजन सम्मेलन, व्यापारी सम्मेलन, विकास तीर्थ सम्मेलन, कार्यकर्ताओं के साथ समरसता भोज व परिचर्चा, संयुक्त मोर्चा सम्मेलन, लाभार्थी सम्मेलन, 21 जून योग दिवस, 23 जून डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस व 20 से 30 जून तक भाजपा कार्यकर्ताओं का घर घर संपर्क इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने बताया कि मंडल कार्यसमिति बैठक में विशेष जनसंपर्क अभियान हेतु कार्ययोजना तैयार की गई, श्री राठौर ने कहा कि अगले चरण में मंडल के शक्ति केंद्र और बूथों की बैठक संपन्न होगी जिसके अंतर्गत मंडल में व्यापक जनसंपर्क चलाकर समाज के विभिन्न वर्गो और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से संपर्क कर बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें भाजपा सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा । बैठक में पूर्व नपाध्यक्ष ममता जोशी व भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी आशीष गोयल मंचासीन थे । बैठक शुभारंभ पर संगठन गीत नवदीपसिंह चौहान, अतिथि स्वागत नगर महामंत्री पुरुषोत्तम चौहान, नगर उपाध्यक्ष सोनिया राठौर, हेमेंद्र बोरदीया, विपुल चोपडा, नगर मंत्री अंकित जैन, राजेंद्र राठौर, सीमा पाल ने किया कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री राजेश डाबी और आभार नगर मंत्री अल्पना जोशी ने माना ।उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

श्रीराम कथा का तृतीय दिवस

पं अनिरुद्ध आचार्य को सुनने कथा में पहुंच रहे हजारों श्रद्धालु ,पुलिस राजस्व स्वास्थ्य नपं प्रशासन दे रहा सेवाएं

बरेली 7 धर्म नगरी छींद मैं 100 गांव के श्री महायज्ञ के साथ चल रही श्रीराम कथा के तृतीय दिवस कथा श्रवण करने हजारों श्रद्धालु पहुंचे प्रथम और द्वितीय दिवस से अधिक श्रद्धालुओं पहुंचे जिससे कथा पंडाल खचाखच भरा रहा। तृतीय दिवस कथावाचक पंडित अनिरुद्ध आचार्य ने राम मनुष्य है कि भगवान है बताया कि भगवान की कौन सी लीलाएं है जिससे सिद्ध होता है कि राम भगवान है उन्होंने लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया लीलाओं के बारे में बताया वहीं युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए कहां कि आज कि युवा पीढ़ी बड़े बुजुर्गो का सम्मान नहीं करती आज कि युवा पीढ़ी छोटे छोटे बच्चे गुटखा सिगरेट पी रहे हैं हम हमारे देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं हमे अपने बच्चों के ऊपर ध्यान देना होगा कि हमारा बच्चा किस दिशा में जा रहा है माता-पिता ध्यान दें बच्चे को हम भले ही धन दौलत कम दे पाए लेकिन अच्छे संस्कार जरूर दे हमारी सबसे बड़ी दौलत अच्छे संस्कार है यह युवा पीढ़ी देश का भविष्य है तृतीय दिवस पुनः सभी को रामचरितमानस पढ़ने की सीख दी 7

पुलिस संभाल रही मोर्चा : कथा श्रवण करने प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं इस बीच सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है लेकिन एसडीओपी राजीव जांगले एवं थाना प्रभारी आशीष सप्रे के निर्देशन में हजारो लोगों के बीच पुलिस मुस्तैदी से मोर्चा संभाले हुए हैं चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात हैं सुचारू रूप से यातायात व्यवस्था भी चल रही है वीवीआईपी और मंच की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक भालेकर सिंह, उपनिरीक्षक सुनंदा खरे, सहायक उप निरीक्षक एस के चौहान, श्याम राजपूत सहित पुलिस बल सभाले हुए हैं7

राजस्व प्रशासन कर रहा मोनीटरिंग : श्री राम कथा मैं हजारों की संख्या में पहुंच रहे हैं लोगों की सुरक्षा को लेकर राज्य प्रशासन अलर्ट है सभी विभागों को लगातार निर्देश एसडीएम संतोष मुद्गल दे रहे हैं और प्रतिदिन मोनीटरिंग कर आवश्यकता अनुसार अनुसार संसाधन भी बढ़ाएं जा रहे हैं कोटवार पटवारी सहित राजस्व अमला भी छींद में कंट्रोल रूम बनाकर तैनात हैं 7

स्वास्थ्य विभाग दे रहा सेवाएं: श्रीराम महायज्ञ प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग का कैंप भी लगा हुआ है पहुंच रहे श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य विभाग भी अपनी सेवाएं दे रहा है कैंप पर एंबुलेंस डॉक्टर टीम मुस्तैद है ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर हेमंत यादव स्वास्थ्य विभाग टीम की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं

नगर परिषद अमला मौजूद : नगर परिषद बरेली अमला नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत चौधरी के निर्देशन में छींद में अपनी सेवाएं दे रहा है सुबह पंडाल से लेकर शाम को कथा स्थल यज्ञ स्थल पर स्वच्छता का नपं प्रशासन विशेष ध्यान दे रहा है7

बजरंग दल युवा टोली : बरेली बजरंग दल के अध्यक्ष पल्लव राय के नेतृत्व में बरेली बजरंग दल की युवा टोली श्रद्धालुओं की बैठने की व्यवस्था में मोर्चा संभाले हुए हैं बजरंग दल इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है 7

श्री कृष्णा विश्वविद्यायल के स्वंय सेवी छात्रों द्वारा चलाया जा रहा है दाना-पानी अभियान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवी छात्रों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को पक्षियों के प्रति जागरूक किया। इस समय गर्मी का मौसम चल रहा है गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को पीने के लिए पानी की तलाश करते है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है इस उद्देश्य से विश?वविद्यालय के स्वंयसेवी छात्रों ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार, कुमारी वर्षा यादव के निर्दशन में छतरपुर के कलेक्ट्रेट ऑफिस में 10 सकोरे और जिला न्यायालय में 5 सकोरे थाना अजाक में 3, कार्यालय नगर पुलिस अधीक्षक में 3 सकोरे, केन?द्रीय रिजर्व बैंक छतरपुर में 4 सकोरे लगाये वरिष्ठ स?वंयसेवी आकाश गौतम ने आदरणीय सर डिप?टी कलेक?टर, थाना प्रभारी, और बैंक मैनेजर से निवेदन करते हुए कहा जो सकोरे हम बच?चों द्वारा लगाये गये हैं उनमें प्रतिदिन जल डालकर अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाये। बच?चों के इस कार्य की द्वारा सराहनीय प्रशंसा की गई इस अभियान 50 स्वंयसेवकों ने भाग लिये जिनमें से जयंत, गौरव, शिवम, कमलेश, वषंत, सत्यम, आदि शामिल रहे। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति कुलसचिव विजय सिंह, ने विद्यार्थियों का जीवों के प्रति दया भाव देखकर उनके इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रंगीन मछली हैचरी यूनिट निर्माण के लिए आवेदन आमंत्रित

छतरपुर,। सहायक संचालक मत्स्योघोग छतरपुर ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में रंगीन मछली हैचरी यूनिट निर्माण (प्दजमहतंजमक व्तदंउमदजंस थ्पी नदपज) हेतु जिले को 1 यूनिट का लक्ष्य आवंटित किया गया है जिस हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। उक्त योजनान्तर्गत इकाई लागत 25.00 लाख पर सामान्य वर्ग हेतु 40 प्रतिशत् 10.00 लाख अनुदान का प्रावधान है। आवेदन पत्र 30 मई 2023 तक गायत्री मंदिर के पास मछली पालन विभाग छतरपुर के कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

नेत्र परीक्षण शिविर में 350 मरीज हुए लाभान्वित

45 नेत्र रोगियों को मोतियाबिंद हेतु चयनित कर चित्रकूट भेजा गया

छतरपुर/नगर के प्रतिष्ठित प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर पर एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का तेरहवे वर्ष का पांचवा शिविर संपन्न हुआ

यह शिविर स्वर्गीय श्री सूर्य प्रताप सिंह जी बुंदेला (चीनी राजा) की स्मृति में एवम दर्शना महिला कल्याण समिति के स्थापना दिवस के अवसर पर दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर के सहयोग से आयोजित किया गया शिविर की शुरुआत की दर्शना महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष रत्नाराजे बुंदेला सचिव प्रभा वैद्य ने दीप प्रज्वलित करके की समिति के सदस्य गिरजा पाटकर ने बताया इस शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आई 10 लोगो की टीम में डॉक्टर अरविन्द मिश्रा एवं डॉक्टर प्रदीप मिश्रा के द्वारा 350 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया तथा उन्हें दवा एवम चश्मा वितरित किए गए तथा 45 मरीजों को मोतियाबिंद हेतु चयनित किया उन्हें आज ही चित्रकूट भेजा गया

इस शिविर की खास बात यह रही इस शिविर का सहयोग कर रही दर्शना महिला कल्याण समिति की पूरी टीम ने खुद मानवता का धर्म निभाते हुए मरीजों के पंजीयन किये तथा दूर दराज से आए मरीजों को अपने हाथों से भोजन भी कराए हनुमान टोरिया सेवा समिति ने दर्शना महिला कल्याण समिति की पूरी टीम का हृदय से धन्यवाद भी ज्ञापित किया, इस अवसर पर दर्शना महिला कल्याण समिति के राजेश गुप्ता अरुणा सिंह निरंजन यादव शिवानी अजय गुप्ता लखन विश्वकर्मा ब्रज किशोर धीरेंद्र दुबे सुधीर निगम सत्यम वैद्य नरेन्द्र चंदेल आनंद खरे रामशरण रावत रोहित अग्रवाल अनुराधा हरि अग्रवाल गिरजा पाटकर जग्गू असाटी पप्पू माली संतोष नामदेव प्रदूम गुप्ता लखन सोनी अरविंद खरे नारायण मिश्र पप्पू महाराज प्रिंस गुप्ता मयंक नामदेव राजकुमार बर्मा बाबू विष्णु शंकर चौबे सौरभ तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

छतरपुर। पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमित सांघी ने 3 फरार आरोपियों को पकड़वाने या सूचना देने के संबंध में नगद पुरस्कार घोषित किया है। फरार आरोपी अशोक अवस्थी पिता स्व. भगवत अवस्थी उम्र 21 साल निवासी ग्राम नारायणपुरा थाना खजुराहो पर 5 हजार और आरोपी रवि सिंह ठाकुर एवं विजय मिश्रा दोनो निवासी ग्राम छठीबम्हौरी थाना चंदला पर 3-3 हजार रूपए का इनाम घोषित किया गया है। अपराध घटित करने के बाद से फरार है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पक्षकार ने श्री इफ्तेखार उद्दीन अहमद खाँ पिता सुलेमान खाँ निवासी वार्ड नं. 15, शेरपुरा बैरसिया, जिला भोपाल से उनके एकमात्र स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम बसई एवं ग्राम शेरपुरा (प.ह.नं. 24) तहसील बैरसिया, जिला भोपाल स्थित कृषि भूमियों जो ग्राम बसई के सर्वे क्र. 277 रकबा 4.087 हे. सर्वे क्र. 278 रकबा 0.202 हे. सर्वे क्र.279/1 रकबा 0.797 हे. सर्वे क्र. 280/1 रकबा 0.622 हे. सर्वे क्र. 619/279 रकबा 0.145 एवं ग्राम शेरपुरा के सर्वे क्र. 45 रकबा 0.061 हे. सर्वे क्र.46 रकबा 0.109 हे. सर्वे क्र.47 रकबा 1.024 हे. सर्वे क्र. 162/45 रकबा 0.077 कुल रकबा 7.124 हेक्टेयर अर्थात 17.60 एकड़ भूमि स्थित है को क्रय करने का अनुबंध किया होकर उन्हें सारवान राशि अदा कर दी है। उक्त कृषि भूमियों पर मूल भूमिस्वामी अथवा किसी अन्य व्यक्ति, वित्तीय संस्था, सहकारी बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विभाग आदि का कोई स्वत्व हित अधिकार अनुबंध कब्जे आदि का भार हो अथवा किसी प्रकार का कोई पारिवारिक / न्यायिक विवाद हो अथवा इस विक्रय व्यवहार में किसी को कोई आपत्ति हो, तो वे इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिन में मय असल दस्तावेजी प्रमाण के मिले या सूचित करें, बाद मियाद किसी की कोई उजर या आपत्ति हमारे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं रहेगी एवं हमारे पक्षकार उक्त विक्रेता से उक्त कृषि भूमियों के विक्रय विलेखों का निष्पादन एवं पंजीयन अपने हित में करवा लेवेगे। सो विदित हो।

विशाल वर्मा, एडवोकेट
49, एडवोकेट चेम्बर्स, उच्च न्यायालय परिसर, इन्दौर मो. 9425057235

10वी और 12वी की परीक्षा परिणामों में शहर और गाव की बेटीयो ने किया नाम रोशन

बैरसिया। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा गुरुवार को 10वीं और 12वीं की परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं। इसमें दसवीं की परीक्षा का परिणाम 63.29त्न और 12वीं की परीक्षा परिणाम 55.28त्न रहा है।

परीक्षा परिणामों में कुछ ऐसे बच्चे भी शामिल हैं जिन्होंने टॉप किया या फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।जिनके पास ना तो संसाधन थे, ना उन्हें बड़े शहरों की तरह सुविधाएं मिली। उन्होंने संसाधनों के अभाव में पढ़ाई की और अपना अपने पिता घर परिवार और शहर का नाम रोशन किया है।

मनीषा अहिरवार ने 12वी में 80त्न अंक हासिल किए

ऐसी ही एक मजदूर की बेटी ने पिता और परिवार का 12वीं की परीक्षा में 80त्न अंक हासिल कर नाम रोशन किया है।बैरसिया तहसील के हिरनखेड़ी गांव निवासी रामवीर अहिरवार जो कि दूसरे लोगों के खेत पर बटिया से खेती करते हैं उनकी बेटी मनीषा अहिरवार ने 12वीं की परीक्षा में इतिहास विषय से 80त्न अंक हासिल किए हैं।हालांकि 12वीं की परीक्षा में कई बच्चों ने 90त्न से अधिक अंक हासिल किए है लेकिन मनीषा ने जिस तरह संसाधनों के अभाव में, कच्चे घर में, बारिश आंधी तूफान गर्मी सर्दी के बीच पढ़ाई की है और 80 परसेंट अंक हासिल किए हैं वह काबिले तारीफ है।ज्ञात हो कि मनीषा अहिरवार सरोजिनी नायडू कन्या विद्यालय बैरसिया की छात्रा है और स्कूल छात्र संघ की अध्यक्ष भी हैं।मनीषा ने बताया कि उसका सपना है कि वह ग्रेजुएशन करने के बाद कॉम्पिटिटिव एग्जाम पीएससी निकालकर एसडीएम बनना चाहती है।

तुबा खान 2 नम्बर से स्टेट टॉपर बनने से चुकी ज़िले में स्थान प्राप्त किया

इसी तरह से बैरसिया के वार्ड नम्बर 6 निवासी मुनव्वर खान की पुत्री और मुकर्रम खान की छोटी बहन तुबा खान ने 12वी की परीक्षा में बायो विषय के साथ 94.8त्न अंक हासिल कर परिवार का नाम रोशन किया है।तुबा ने 500 में से 474 अंक हासिल किए हैं।तुबा महज़ 2 नम्बर से एमपी के टॉप टेन में आने से रह गई।वहीं तुबा बायो ग्रुप से भोपाल ज़िले में टॉप टेन में शामिल हुई हैं।तुबा ने बताया कि वह नीट का एग्जाम क्लियर कर एमबीबीएस करना चाहती हैं। ज्ञात हो कि तुबा बैरसिया के एर्जेलिक की स्कूल की छात्रा है और पिछले वर्ष इसी स्कूल की छात्रा तनु धाकड़ ने 10वी में ज़िले में तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल

जोन क्रं. - 21 (डॉ0 भीमराव अम्बेडकर) ,सहयाद्रि परिसर के पास, भदभदा रोड

-सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर निगम भोपाल के स्वामित्व की दुकान / भूखंड के नामांतरण हेतु जोनल कार्यालय क्र. - 21 के समक्ष में आवेदनकर्ता द्वारा उनके नाम से नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्रं.	दुकान क्रं.	आवेदक का नाम	पूर्व आवंटी का नाम	वर्तमान में स्थल पर काबिज का नाम	आधार
1.	दुकान क्र. - 46, महिला मार्केट, न्यू मार्केट, टी.टी. नगर L000001814	श्री जतिन खुराना आत्मज श्री श्री चन्दर खुराना	श्री सतीश कुमार गंगराडे आत्मज स्व. श्री सुखदेव प्रसाद गंगराडे	श्री जतिन खुराना आत्मज श्री चन्दर खुराना	आवेदन पत्र.शपत्र पत्र एवं विकय अनुबंध पत्र

उक्त दुकान से संबंधित राजस्व अभिलेखों में उपरोक्तानुसार खातों में नाम परिवर्तन करने में किसी व्यक्ति को कोई वैधानिक आपत्ति है तो वह 15 दिवस के अंदर नगर निगम भोपाल के जोनल कार्यालय क्र. - 21 (डॉ0 भीमराव अम्बेडकर) सहयाद्रि परिसर के पास, भदभदा रोड को लिखित सूचित कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो नगर निगम भोपाल नाम परिवर्तन करने के लिये सक्षम होगा। तत्पश्चात् किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

सू.क्रं.359/023/024

जोनेल अधिकारी
जोन क्रं. 21 नगर निगम भोपाल

देश के सबसे बड़े रियल एस्टेट सिटी कन्वेंशन का भव्य आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। ज़मीन पर आकार लेने वाले सपनों को पूरा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं रियाल्टर्स। रियल एस्टेट का क्षेत्र बाहर से जितना ग्लैमरस दिखता है, उतनी ही ज्यादा मेहनत भी मांगता है। निरन्तर समय के साथ अपडेट रहना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट्स पर काम करना, क्लाइंट्स की पसंद और मांग के मुताबिक समाधान प्रस्तुत करना और समय के हिसाब से बदलती चुनौतियों का सामना करना, एक रियाल्टर की ज़िंदगी का हिस्सा होता है। इन सभी पहलुओं पर सार्थक चर्चा करने, समाधानों पर बात करने और रियाल्टर्स को लाइफ से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मंत्र देने के लिए शहर में किया गया, देश के सबसे बड़े रियल एस्टेट सिटी कन्वेंशन 'बीइंग रियाल्टर का आयोजन। इंदौर रियाल्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन व नेशनल एसोसिएशन ऑफ रियाल्टर्स-इंडिया द्वारा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में इस आयोजित इस कार्यक्रम की प्रशंसा देशभर से आये रियाल्टर्स, ख्यातनाम मोटिवेशनल स्पीकर्स और सभी अतिथियों ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव व भाजपा महासचिव श्री कैलाश विजयवर्गीय थे। श्री विजयवर्गीय ने शहर से बाहर होने के कारण ऑनलाइन ही कार्यक्रम में मौजूद लोगों से रूबरू हुए और उन्होंने इंदौरी खाने से लेकर तेजी से बदल रहे शहर के नाइट कल्चर के बारे में बात की। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा-रियल स्टेट के साथ साथ हम रियली स्टेट (सम्पूर्ण राज्य का विकास) का विकास करने का भी लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। केवल सफाई ही नहीं बल्कि हर स्तर पर हम इंदौर को ऐसा बनाना चाहते हैं कि देशभर से लोग यहाँ आये और बस जाएँ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया नया डेट फंड

रीवा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने सोमवार को एक डेट फंड लॉन्च किया। यह फंड ग्राहकों को मौजूदा उच्च ब्याज दरों पर अपने निवेश को लॉक करने, लंबी अवधि में धन का निर्माण करने और वित्तीय लक्ष्य हासिल करने में सक्षम बनाएगा। प्रचलित ब्याज दर व्यवस्था ग्राहकों को निवेश करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है। इस तरह ग्राहक जीवन बीमा बाजार में इस तरह के पहले डेट फंड - आईसीआईसीआई प्रू कॉन्स्टेंट मेच्योरिटी फंड में निवेश कर सकते हैं। वर्तमान दौर में ब्याज दरें बेहद ऊंची हैं, लेकिन ब्याज दरों में कोई भी गिरावट होती है, तो डेट फंड अपने ग्राहकों के लिए एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में सामने आते हैं। डेट इंस्ट्रूमेंट्स और ब्याज दरों की कीमतों के बीच विपरीत संबंधों के कारण ऐसा होता है - जब ब्याज दरें गिरती हैं तो डेट इंस्ट्रूमेंट्स की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे उन ग्राहकों को फायदा होता है जिन्होंने इन इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया है। यह फंड कंपनी के प्रमुख यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) में निवेश के लिए उपलब्ध है।

अमेजन प्राइम का नया सच में टू मच कैंपेन दिखाता है ज्यादा की खुशी

मुंबई, एजेंसी। शॉपिंग से लेकर एंटरटेनमेंट तक बेनेफिट्स के अद्वितीय संयोजन के साथ ग्राहकों को खूब सारी खरीदारी के लिए सक्षम बनाने के लिए, अमेजन प्राइम एक मूल्यवान मेंबरशिप है, जो प्रत्येक ग्राहक के जीवन में ज्यादा की खुशी को सुनिश्चित करता है। नया विज्ञापन अभियान ग्राहकों से अपने प्राइम मेंबरशिप से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने का आग्रह करता है। एक मेंबरशिप के तहत ढेर सारे लाभों के साथ, अमेजन प्राइम सदस्यों को 40 लाख से ज्यादा उत्पादों पर फ्री वन-डे डिलीवरी, दैनिक घरेलू आवश्यकताओं के साथ-साथ फोन, कपड़े, होम डेकोर, ब्यूटी आदि जैसे पसंदीदा उत्पादों पर प्राइम ऑफर के साथ खरीदारी करने में सक्षम बनाता है। इस अभियान में - दो फल्मि सेट के साथ- एक अनूठा दृष्टिकोण अपनाया गया है। पहली फल्मि में अभी तक प्राइम कस्टमर न बनने वालों को वन मेंबरशिप, मैनी बेनेफिट्स के बारे में बताया गया है, जबकि दूसरी फल्मि में मौजूदा प्राइम मेंबर्स को बताया गया है कि कैसे वे अपने अमेजन मेंबरशिप के साथ ढेर सारे लाभों का फायदा उठा सकते हैं।

ग्रेविटा ने तंजानिया, पूर्व अफ्रीका में रबड़ रीसाइकलिंगका व्यापारिक उत्पादन शुरू किया

जयपुर, एजेंसी। विश्व भर में मैन्युफैक्चरिंग उपस्थिति रखने वाली एक प्रमुख रीसाइकलिंग कंपनी,ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड सहर्ष सूचित करती है कि कंपनी की तंजानिया, पूर्व अफ्रीका स्थित स्टेप डाउन सब्सिडियरी,ग्रेविटा तंजानिया लिमिटेड ने चरण प्रथम में लगभग 3000 मेट्रिक टन वार्षिक क्षमता के साथ वेस्ट रबड़ की रीसाइकिलिंग करने का व्यापारिक उत्पादन शुरू कर दिया है 7 आगे चलकर ग्रुप ने उक्त क्षमता बढ़ाकर 6000 मेट्रिक टन वार्षिक करने की योजना बनाई है। कंपनी ने प्रथम चरण में सुविधा स्थापित करने के लिए 3.86 करोड़ रुपए का पूंजी खर्च किया है, जिसका वित्तपोषण आंतरिक साधनों द्वारा किया गया है। यह नया रीसाइक्लिंग प्लांट ग्रेविटा तंजानिया लिमिटेड की रबड़ रीसाइकलिंग प्रक्रिया के दौरान उत्सर्जित पायरोलाइसिस आयल के रूप में कार्बन फुटप्रिंट्स में कमी के साथ-साथउसकी उत्पादन लागत में कमी करने में मदद करेगा जिसका कंपनी द्वारा बैटरी और अल्युमिनियम स्क्रैप की रीसाइकलिंग के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में इन हाउस खपत के लिए उपयोग किया जाएगा।

मैरिंगो सिम्स अस्पताल ने अंगदान के माध्यम से जीवन बचाने वाले वीर परिवार के लिए सम्मान व्यक्त किया

अहमदाबाद/मुंबई, एजेंसी। भुज के एक परिवार ने अपने परिवार के ब्रेन हेमरेज के कारण अपनी जान गंवा देनेवाले युवा सदस्य के अंगों को दान करने में मानवता के अप्रतिम कार्य का प्रदर्शन किया और अज्ञात प्राप्तकर्ताओं के जीवन को बचाया। महिपाल (बदला हुआ नाम) को भुज में काम के दौरान अचानक ब्रेन स्ट्रोक हुआ। उन्हें उनके परिवार द्वारा अस्पतालों में ले जाया गया और अंत में मैरिंगो सिम्स अस्पताल लाया गया जहां उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया।परिवार ने चार लोगों की जान बचाने और दो की दृष्टि बहाल करने के लिए मृतक के अंगों को दान करने के लिए साहस और मानवता का प्रदर्शन किया। अंगों को पुनः प्राप्त करने के बाद गुर्दे और यकृत तुरंत मैरिंगो सिम्स अस्पताल में भर्ती प्राप्तकर्ताओं में प्रत्यारोपित करने के लिए तैयार हो गए, जबकि दिल और आंखों को क्रमशः एक सरकारी अस्पताल और अर्ध-सरकारी संस्थान में दान कर दिया गया।

2000 नोटबंदी हमारी सोच काली का प्रतीक है

2000 नोटबंदी हमारी सोच काली का प्रतीक है, अन्यथा हमें एक्सचेंज की बजाय सीधे खाते में जमा कराते। जिसके खाते नहीं हैं उसके खाते खोले जाएं, खाते को आधार नंबर से भी जोड़ा जाए खाते में ही पैसा जमा कराए जाएं, जमाकर्ताओं की पहिचान? जमा स्लिप के साथ स्कैन कर खाते के साथ अटैच की जाए, अन्यथा हमें इसका लाभ नहीं मिलेगा। जमा करना व निकालना अलग अलग प्रकिया है, यदि उसे पैसे चाहिए तो निकाले। हमारे राजनेताओं की सोच ही काली है, अब इनके पाप का घड़ा भर चुका है, अपराध मुक्त भारत मिशन के उभरते चन्द्रगुप्त बिना खर्च व बिना वोट मांगे, मतदान के पूर्व इन्हें अपनी हार स्वीकार करने के लिए विवश कर देंगे।जय हिन्द, जय भारत, वंदेमातरम मैथिली शरण गुप्त राष्ट्रीय अध्यक्ष अपराध मुक्त भारत मिशन पूर्व पुलिस महानिदेशक (पुलिस सुधार) मध्यप्रदेश।

आम के बहाने बदलती दुनिया की कुछ खास बातें

जय नागड़ा

बाज़ार आम से पटा हुआ है, लेकिन बेस्वाद ज अच्छे आम की तलाश में आज भरी दोपहर में फ्रूट मार्केट में भी हो आये, बादाम, केसर, लाल पट्टा सभी था दिखने में खूबसूरत लेकिन खाने में लगा कि पहले वाली बात नहीं है ज. फ्रूट के एक पुराने व्यापारी से पूछा कि ऐसा क्यों हो रहा है? जवाब मिला कच्चे आम को केमिकल से पकाने में वह ऊपर से पीला तो दिखने लगता है लेकिन उसके गुण नहीं आ पाते ज पेड़ पर पकने का इंतज़ार अब कौन करता है! सबको जल्दी है? व्यापारी को पैसा खड़ा करने की जल्दी है तो ग्राहक को भी अच्छे बुरे की समझ नहीं है!

शाम को बिटिया नेहा से बात हो रही थी, जो एक मल्टीनेशनल कम्पनी में टेलेन्ट इक्विज़ेशन की ज़िम्मेदारी देखती है, कह रही थी कि कम्पनी अब सिर्फ आईआईटी, आईआईएम या किसी बड़े संस्थान की डिग्रियों पर प्लेसमेंट नहीं करती बल्कि यह देखती है कि जिसे बहुत बड़े पैकेज पर अपॉइंट किया जा रहा है वह मल्टीटास्किंग है या नहीं? ज़ाहिर है कंपनियों को परफॉर्म करने वालों की ज़रुरत है बजाय डिग्रीधारियों के ज उसने यह भी कहा कि अब जॉब में वे ही ज़्यादा सफ़ल हो रहे है जिनका स्कूलिंग बेहतर हुआ है, जिन्होने सिर्फ नंबर लाने पर नहीं बल्कि पूरी पर्सनाल्टी डेवलेपमेंट पर ध्यान दिया है। स्कूल में सीखी बहुत सी बातें यहाँ व्यावहारिक रूप से काम में आ रही है। तक़रीबन यही बात छोटी बिटिया यशस्वी ने भी कही जो बॉश (क्ष्भ्द्यह्लह्य्द्ध) में यूएक्स एक्सपर्ट के बतौर सेवारत है।

आप सोचेंगे ये दोनों बातों का आपस में क्या साम्य? आम के स्वाद से प्लेसमेंट का क्या सम्बन्ध? हाँ, एक बहुत गहरा सम्बन्ध है क्वालिटी का, गुणवत्ता का!

यह सच है कि हमारे समाज में सब को हर बात की ज़ल्दी है, मामला खानपान का हो या कॅरियर का ज फ़ास्टफूड संस्कृति के दुष्प्रभाव तो हमने महसूस कर लिया, अब स्वास्थ्य की चिन्ता ने हमें पौष्टिक और स्वास्थ्यप्रद पारम्परिक भोजन शैली की ओर लौटने पर मज़बूर कर दिया लेकिन जीवन के अन्य क्षेत्रों में?

दरअसल किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसके स्कूल एजुकेशन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहता है, उसका सम्पूर्ण व्यक्तित्व का आधार ही स्कूल में तैयार होता है चाहे वह छोटे से गांव का सरकारी स्कूल हो या फिर कोई सर्वसुविधायुक्त निजी स्कूल।

इस समय बड़ी दिक्क़त यह हो रही है कि आठवीं के बाद बच्चे कोचिंग की दौड़ में इस कदर शामिल हो जाते है कि स्कूल हाशिये पर छूटने लगता है। अब तो बड़ी समस्या यह आ रही है कि कोचिंग जाने वाला विद्यार्थी स्कूल से ही पूरी तरह दूर होने लगा है, डमी एडमिशन के विकल्प ने उसे पूरी तरह कोचिंग पर निर्भर कर दिया है। कोचिंग स्टूडेंट्स की पढ़ाई में सहायक तो हो सकते है लेकिन वे कभी भी स्कूल का विकल्प नहीं हो सकते है। इसको आप इसी बात से आसानी से समझ सकते है कि प्रत्येक स्कूल में फ़िजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी, मेथ्स, कम्प्यूटर आदि की व्यवस्थित लेब होती है जिससे स्टूडेंट्स प्रेक्टिकल कर विज्ञान के आधारभूत नियम समझ सके, नई एजुकेशन पॉलिसी में भी सीबीएसई का इसी पर जोर है कि स्टूडेंट्स की समझ बेहतर होनी चाहिये। लेकिन क्या ऐसा हो रहा है? किसी भी कोचिंग संस्थान में प्रेक्टिकल के लिए कोई लैब होती है क्या? दरअसल पूरी तरह कमर्शियल हो चुके इन कोचिंग संस्थानों में सिर्फ सरकार का ध्यान उनके द्वारा दिए जाने वाले इनकम टेक्स तक ही सीमित है, शिक्षा विभाग का इन पर न तो कोई नियंत्रण है और न ही कोई नियम क़ायदे इन पर लागू होते है। इन कोचिंग संस्थानों के सामने सिर्फ एक चुनौती होती है कि कैसे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में बेहतर नतीजे दे जिससे उनका व्यापार और तेजी से बढ़े। इन कोचिंग संस्थानों से कुछ बच्चे परिणाम देकर बड़े शैक्षणिक संस्थानों में चयनित भी हो जाते है लेकिन जीवन की दौड़ में पिछड़ने लगते है। अक्सर किसी उच्च शैक्षणिक संस्थान से किसी स्टूडेंट के करोड़ो के पैकेज पर चयनित होने की खबरे तो अखबारों की सुर्खियां बनती है लेकिन बाद में एक -दो साल बाद उनका क्या हश्र होता है यह सामने कम ही आ पाता है। बड़ी उपलब्धियों के बावजूद कई डिप्रेशन का शिकार होने लगते है। दरअसल इनकी हालत उन्ही कच्चे आम की तरह ही होती है जिन्हे कृत्रिम तरीक़े से पका दिया गया, बिना यथार्थ के जीवन संघर्ष की गर्मी और अनुभव पाये ये बाज़ार में तो आ गए लेकिन बेस्वाद है!

डॉलर की बादशाहत को मिल रही चुनौती: वैश्विक लेनदेन में युआन का हिस्सा बढ़ा, अमेरिकी कर्ज संकट ने बढ़ाई मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर की बादशाहत को अन्य प्रमुख मुद्राओं से चुनौती मिलने लगी है। इसकी वजह खुद अमेरिकी नीतियां हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के साथ प्रतिद्वंद्विता, यूक्रेन युद्ध के झटके और अमेरिकी कर्ज संकट ने दुनिया की प्रमुख मुद्रा के रूप में डॉलर की स्थिति पर फिर से विचार करने पर मजबूर किया है।

कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाश रही हैं। रूस, चीन, भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश इनमें शामिल हैं। बांग्लादेश जैसे दर्जन भर छोटे एशियाई देश भी स्थानीय मुद्रा में आपसी व्यापार कर रहे हैं।

भारत दिरहम और रूबल में खरीद रहा रूसी तेल- विशेषज्ञों के मुताबिक, वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल जारी है। भारत यूएई दिरहम व रूबल में रूसी तेल खरीद रहा है। चीन ने युआन से 88 अरब डॉलर का रूसी तेल, कोयला और धातु खरीदा। वैश्विक विदेशी मुद्रा लेनदेन में युआन की हिस्सेदारी बढ़कर 7 फीसदी पर पहुंच गई है।

फॉरेक्स में डॉलर की हिस्सेदारी 20 साल के निचले स्तर पर- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक, 2022 की चौथी तिमाही में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर का हिस्सा 20 साल के निचले स्तर 58 फीसदी पर आ गया। अब यह और घटकर 1995 के समान स्तर पर आ गया है।

इसलिए भी विकल्प ढूंढ रहे देश- यूरिजोन एसएलजे कैपिटल के सीईओ स्टीफन जेन ने कहा, यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसने सऊदी अरब, भारत, चीन और तुर्किये जैसे देशों को अन्य मुद्राओं में कारोबार करने पर विचार करने को मजबूर किया।

महंगाई बढ़ाने में भी भूमिका- अगर कोई मुद्रा डॉलर के मुकाबले बहुत अधिक कमजोर हो जाती है तो डॉलर में कारोबार किए जाने वाले तेल एवं अन्य वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। इससे आयात करने वाले देशों में महंगाई बढ़ जाती है।?

विकल्प तलाशना इतना आसान भी नहीं...- सबको साथ लाना बहुत जटिल ~ डॉलर की बादशाहत को चुनौती देने के लिए निर्यातकों, आयातकों, मुद्रा व्यापारियों और कर्जदाताओं को साथ लाना जरूरी है। लेकिन, यह एक विशाल और जटिल प्रक्रिया है। वैश्विक लेनदेन में 90 फीसदी हिस्सेदारी बीआईएस के आंकड़ों के मुताबिक, वैश्विक विदेशी मुद्रा लेनदेन में डॉलर की हिस्सेदारी 90 फीसदी है। 2022 में 6.6 लाख करोड़ डॉलर का कारोबार अमेरिकी मुद्रा में हुआ। सभी ऑफशोर कर्ज का लगभग आधा हिस्सा डॉलर में है। बर्कले अर्थशास्त्र के प्रोफेसर बैरी आइचेंग्रीन ने कहा, बैंकों, कंपनियों और सरकारों के लिए अचानक डॉलर में कारोबार बंद करना आसान नहीं होगा।

मीडियाटेक ने नयी प्रौद्योगिकियों के लिए रूपरेखा तैयार की

स्मार्टफोन, स्मार्ट डिवाइस इकोसिस्टम, ऑटोमोटिव, सैटेलाइट कम्युनिकेशन एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सहित सभी निर्बाध प्रौद्योगिकियों में विस्तार की तैयारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सालाना करीब दो अरब कनेक्टेड उपकरणों को ताकत प्रदान करने वाली विश्व की अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ष्टि विज़न टु गो बियांड विथ ब्रिलियंट टेक्नोलॉजीज़ष् थीम पर टेक्नोलॉजी डायरीज़ के अपने 12वें चैप्टर की मेज़बानी की जिसमें ऑटोमोटिव, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में मीडियाटेक की नवीनतम प्रौद्योगिकियों पर ज़ोर रहा। मीडियाटेक ने भारत में सभी स्मार्टफोन और स्मार्ट डिवाइस इकोसिस्टम में अपनी उपस्थिति बढ़ाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मीडियाटेक ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के अपने नवीनतम पोर्टफोलियो और आने वाले 5 जी चिपसेट को साझा किया जिसमें मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9200 प्लस, 9000 प्लस, 8020, 7050, 7200, कांपैनियो 1200, मीडियाटेक डायमेन्सिटी ऑटो और मीडियाटेक जीनियो 1200 शामिल हैं। मीडियाटेक ने मोटोरोला, फ्लिपकार्ट, एचपी, वनप्लस, लावा, शियाओमी, इनफिनिक्स, ओप्पो, वीवो, टेक्नो, रीयल्म, आईक्यूओओ और सैमसंग आदि के साथ सभी पोर्टफोलियो को लेकर कुछ नवीनतम गठबंधन भी सामने रखे। मीडियाटेक इंडिया के प्रबंध निदेशक अंकु जैन ने कहा, श्ब्रिलियंट टेक्नोलॉजी का मतलब महज़ नए उत्पाद और सेवाओं का सृजन नहीं है, बल्कि इसका अर्थ सार्थक अनुभवों का भी सृजन करना है जिनसे लोगों का जीवन समृद्ध हो। मीडियाटेक में हम जो संभव है, उन सीमाओं का विस्तार करने पर ध्यान देते हैं और जटिल समस्याओं को हल करने के लिए नवप्रवर्तन का उपयोग करते हैं। शानदार टेक्नोलॉजी के साथ हम हमारे आसपास की दुनिया में परिवर्तन लाने में विश्वास करते हैं जिसमें वैश्विक एवं भारतीय ओईएम के साथ अधिक प्रतिबद्धता के साथ काम करने और भारत में आरएंडडी सुविधाओं का विस्तार करने पर ज़ोर है। इंटरनेट ऑफथिंग्स, 5जी, 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआरध्वीआर जैसी नये ज़माने की प्रौद्योगिकियां नवप्रवर्तन की एक नयी लहर पैदा कर रही हैं। इसके अलावा, हम ऑटोमोटिव, सैटेलाइट कम्युनिकेशन और कनेक्टिविटी जैसे नए वर्टिकल्स में नवप्रवर्तन की संभावना तलाश रहे हैं।श्

इस आयोजन में प्रौद्योगिकी के लिए नए मोर्चे पर अंतर्दृष्टि परिचर्चा हुई और स्मार्टफोन, स्मार्ट डिवाइस, ऑटोमोटिव और स्मार्ट वाहन, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, कंप्यूटिंग एवं कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में मीडियाटेक का वर्चस्व भी प्रदर्शित किया गया।

पीडब्ल्यू स्किल्स भारत में टेक स्किलिंग के लिए सबसे बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा

अब तक 1.5 लाख से अधिक शिक्षार्थियों को सशक्त बनाया; 2025 तक 10 लाख पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है

मुंबई, एजेंसी। फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू), भारत का अग्रणी एड-टेक प्लेटफॉर्म, अपने स्किलिंग वर्टिकल, पीडब्ल्यू स्किल्स द्वारा हासिल एक उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व अनुभव कर रहा है। हिंदी, अंग्रेजी और हिंग्लिश में उपलब्ध कोर्सेज़ करा, यह अब 1.5 लाख शिक्षार्थियों को तकनीकी कौशल सिखाने वाला सबसे बड़ा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बन कर उभरा है। इन शिक्षार्थियों में, 50,000 पेड बैचों में नामांकित हैं, जबकि शेष मुफ्त कोर्सेज़ से लाभान्वित हुए हैं। 30,000 शिक्षार्थी विशेष रूप से, हिंदी हार्टलैंड से आते हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और अन्य राज्य शामिल हैं। महज पांच महीने के भीतर मील का पत्थर स्थापित करने वाली इस उपलब्धि को हासिल करना पीडब्ल्यू के मौजूदा कम्युनिटी और डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन की ताकत का प्रमाण है, जो इसकी ग्रोथ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।आधुनिक समय में प्रासंगिक तकनीकी कौशल वाले पेशेवरों की मांग और आपूर्ति के बीच बनी खाई को खत्म करने के मिशन के साथ, पीडब्ल्यू स्किल्स पहले से ही डेटा साइंस, जावा, ष्ट++, फुल-स्टैक वेब डेवलपमेंट में हाइब्रिड कोर्सेज़ और अन्य टेक्निकल कोर्स 3,500 से शुरू आकर्षक मूल्यों पर करा रहा है।

शाहरुख खान की तरह डर जैसा निगेटिव किरदार निभाना आसान नहीं : लुइस

मुंबई, एजेंसी। इस वीकेंड, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का देसी डांस रियलिटी शो, इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 3 दर्शकों को अभूतपूर्व रूप से प्रभावित करने के लिए तैयार है! इसमें बेस्ट का इंटरनेशनल टेस्ट की थीम के साथ, कंटेस्टेंट्स को परखा जाएगा जहां उन्हें परफेक्ट तरीके से एक इंटरनेशनल डांस स्टाइल परफॉर्म करना होगा। अलग-अलग संस्कृतियों के मेलजोल से एक खास नजारा देखने को मिलेगा, जहां 90 के दशक की देसी धुनों में विदेशी तड़का लगाया जाएगा। एक कंटेस्टेंट जो एक बड़ी चुनौती का सामना करने के लिए कदम बढ़ाएंगे, वो होंगे भोपाल के शिवांशु सोनी, जो अपनी कोरियोग्राफर श्वेता वारियर के साथ, ड्रामाटिक पासो डोबल डांस स्टाइल पेश करेंगे और सतरंगी रे जैसे इंटेन्स ट्रैक पर परफॉर्म करेंगे।

एक मैटाडोर एक्ट में शिवांशु पिछले कुछ हफ्तों में किए गए शांत और शालीन एक्ट्स से अलग नजर आए। उन्होंने एक ऐसा एक्ट किया, जो बड़े शार्प, तेज तर्रार और आकर्षक बॉडी पोज़ के जरिए एक कहानी कहता है। मैटाडोर के उनके एक्ट में वो गुस्से, डर और जुनून को प्रदर्शित करते हुए, एक आक्रामक परफॉर्मेंस देते नजर आए, जिसने जजों को मोहित कर लिया। यहां तक कि जज टेरेंस लुइस ने इस एक्ट में शिवांशु की जीवंत भावनाओं की तुलना डर के शाहरुख खान के किरदार से कर दी।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन इस बार मध्य प्रदेश के शहर जबलपुर में

आईडीवाई 2023 की थीम भी तय, वसुधैव कुटुंबकम के लिये योग का संदेश देगा इस बार भारत

जबलपुर, एजेंसी। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 9वें संस्करण का मुख्य आयोजन मध्यप्रदेश के बेहद खूबसूरत और नर्मदा के तटीय शहर जबलपुर में किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 25वें काउंटडाउन की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को सिंकदराबाद (तेलंगाना) में मीडिया से मुखातिब केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने यह घोषणा की। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की इस बार की थीम भी तय कर दी गई है और अब भारत आईडीवाई के जरिये पूरे विश्व को इस वर्ष -वसुधैव कुटुंबकम के लिये योग- का संदेश देगा। जी20 और शंघाई संगठन देशों की भारत में इस वर्ष उपस्थिति को देखते हुए इस थीम के कई आयाम हैं। भारत वर्ष 2023 में जी 20 और शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता कर रहा है और जी 20 के लिये भी वसुधैव कुटुंबकम थीम है।

विप्स-टीसी और आईआईटी गांधीनगर ने आईटी में प्रौद्योगिकीय उन्नति को गति देने के लिए रणनीतिक साझीदारी की

दिल्ली/एनसीआर, एजेंसी। विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़, टेक्निकल कैंपस (विप्स-टीसी) और प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर (आईआईटी गांधीनगर) ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं इससे जुड़े क्षेत्रों में नवप्रवर्तन, अकादमिक उत्कृष्टता एवं अनुसंधान गठबंधन के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझीदारी स्थापित करने के लिए एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक गठबंधन दोनों ही संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए जबरदस्त अवसरों का सृजन करेगा।इस एमओयू पर आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर रजत मूना और विप्स-टीसी के वाइस चेयरमैन श्री विनीत वत्स ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विप्स-टीसी के महानिदेशक डॉक्टर अश्विनी कुमार शर्मा, विप्स-टीसी के वाइस चेयरमैन सुनीत वत्स और विप्स-टीसी के वाइस चेयरमैन अजय बिंदल उपस्थित थे।इस एमओयू का उद्देश्य प्रशासनिक सहयोग को सुगम बनाना, विप्स-टीसी में नए स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल प्रोग्राम शुरू करना या सुधार लाना, इंटर्नशिप प्रोग्राम, विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, फैकल्टी सपोर्ट, ढांचागत विकास में मार्गदर्शन और पारस्परिक हित के विषयों पर संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं का संयुक्त आयोजन करना है। यह गठबंधन दोनों संस्थानों से शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकीय उन्नयन पर मिलकर काम करने और आईटी क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए एक अनूठा अवसर उपलब्ध कराएगा। आईआईटी गांधीनगर के निदेशक प्रोफेसर रजत मूना के मुताबिक, श्इस एमओयू से विपस-टीसी, विप्स इंस्टीट्यूट, आईआईटी गांधीनगर के विद्यार्थियों सहित पूरा समाज लाभान्वित होगा। हमारा उद्देश्य इन विद्यार्थियों के लाभ को प्राथमिकता देना है।

दो लाख रूपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ने वाला पहला पेमेंट ऐप बना फोनपे

मुंबई, एजेंसी। फोनपे ने दो बड़ी उपलब्धियां हासिल किए जाने का एलान किया है। फोनपे, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस से दो लाख रूपे क्रेडिट कार्ड को कामयाबी के साथ लिंक करने वाला पहला डिजिटल पेमेंट ऐप बन गया है। इसके अलावा, फोनपे ने यूपीआई पर रूपे क्रेडिट के ज़रिए, 150 करोड़ रुपये की टोटल पेमेंट वैल्यू की भी प्रक्रिया की है। फोनपे का मकसद, यूपीआई पर रूपे क्रेडिट के लिए बड़े पैमाने पर सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि ग्राहक और व्यापारी, दोनों ज़्यादा से ज़्यादा इसका इस्तेमाल कर सकें। फोनपे पहले से ही देश में 1.2 करोड़ मर्चेंट आउटलेट्स पर, यूपीआई पर रूपे क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल की सुविधा मुहैया करा रहा है। इसकी वजह से क्रेडिट कार्ड इकोसिस्टम में, व्यापारियों के बीच फोनपे की गहरी पैठ बन गई है। यूपीआई के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की वजह से, यह पक्का हो गया है कि ग्राहकों के पास लेन-देन के लिए, अपने रूपे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कहीं भी और कभी भी करने की सुविधा है। फोनपे, फोनपे ऐप पर ज़रूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है, ताकि ग्राहक लेन-देन के लिए इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकें। फोनपे उपभोक्ताओं को ऐसी सूचनाएं भी लगातार भेजता हैं जिससे सुविधाओं की जानकारी आसानी से समझ में आ जाए। इससे, फोनपे के इस्तेमाल को बढ़ावा मिल रहा है और ग्राहक, यूपीआई की मदद से रूपे क्रेडिट कार्ड का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल कर पा रहे हैं।

नगर पालिक निगम को करनी चाहिये व्यवस्था

मानसरोवर एवं राजीव गांधी बस स्टैंड में नहीं 24 घंटे पीने के पानी की व्यवस्था

यात्रियों को हो रही परेशानी, जहां नल लगा उस टफ में भरा पड़ा कचरा

छिंदवाड़ा। स्थानीय सरकारी बस स्टैंड में 24 घंटे यात्रियों का आना जाना लगा रहता है लेकिन इस महत्वपूर्ण जगह पर पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यात्री यदि बस से उतरा तो वे वह पहले पीने का पानी खोजता है जबकि उसे कहीं नल नजर नहीं आता तो उसे बोतल का पानी लेकर पीना पड़ता है। यहां जो नल लगा हुआ है वह शोभा की सुपारी बना हुआ है। जिसके टफ में लोग कचरा डालते हैं। नगर निगम द्वारा गर्मी को देखते हुए कुछ दिनों के लिए यहां प्याऊ की व्यवस्था की गई है लेकिन वह कुछ घंटे के लिए होती है चार बजे के बाद मटका खाली हो जाते हैं। फिर यात्री पीने के पानी के लिए इधर उधर भटकते हैं। नगर निगम में बस स्टैंड में 24 घंटे पेयजल की व्यवस्था को लेकर कई बार शिकायतें हुई है लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। बस स्टैंड में पहले से ही पेयजल की पाइप लाईन है लेकिन पानी क्यों उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है यह आश्चर्य का विषय है।

देखरेख के लिए कर्मचारी की नियुक्ति हो

क्षेत्र के व्यापारियों का कहना है कि निगम को यात्रियों की सुविधा के लिए 24 घंटे पेयजल की व्यवस्था की जानी चाहिए। निगम द्वारा यहां एक कर्मचारी भी नियुक्त किए जाना चाहिए ताकि देखरेख भी हो सके। दैनिक वेतन भोगी में कई कर्मचारी निगम में लगे हैं जो नेताओं के यहां काम करते हैं और वेतन निगम से निकलता है नगर निगम को चाहिए कि बस स्टैंड की पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए कर्मचारी नियुक्त किया जाए जिससे व्यवस्था में सुधार होते रहे।

दिनभर जलती रहती लाइट

बस स्टैंड में ट्यूब लाईट लगे हुए हैं जो दिनभर जलते रहते हैं इन्हें बुझाने वाला कोई नहीं है। यहां मेंटनेंस भी नहीं हो रहा है कुर्सियां टूट गई हैं। कुछ ट्यूब लाईट फोड़ दिए गए हैं। जिसको सुधारने और लगाने वाला कोई नहीं है। ठीक है कि कुछ यात्रियों की गलती हो सकती है लेकिन क्या यात्रियों की गलती कहकर हम अपना पल्ला झाड़ लेंगे।

बंद पड़ा हैंडपंप

बस स्टैंड में एक हैंडपंप भी लगा हुआ है लेकिन यह बंद पड़ा हुआ इसको भी चालू करने के लिए ध्यान नहीं दिया गया ताकि लोग यहां से भी पानी का इस्तेमाल कर सकें। बंद पड़े इस हैंडपंप को भी पीएचई के माध्यम से चेक कर चालू किया जा सकता है।

उलटे रखे मटके

गर्मी को देखते हुए कुछ घंटों के लिए बस स्टैंड में प्याऊ की व्यवस्था की गई है लेकिन यहां मटके भरे नहीं रहते बल्कि उलटे रखे हुए हैं। लोगों का कहना है कि कुछ घंटे के लिए नहीं बल्कि 24 घंटे बस स्टैंड में पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए।

इनका कहना

बस स्टैंड में 24 घंटे पेयजल की व्यवस्था बनाई जाएगी

राहुलसिंह, आयुक्त
नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा

सिवनी के सांसद की तरह आपके सांसद भी कोशिश करें

नागपुर में डीआरसीसीयू की बैठक

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के नागपुर मण्डल में डी.आर.यू.सी.सी. की बैठक में सिवनी-बालाघाट के सांसद डॉ.ढालसिंग बिसेन की काफी प्रशंसा की गई, बड़ी रेल लाईन के प्रारम्भ होने से कई नई रेल प्रारम्भ हुई है और सिवनी रेल्वे स्टेशन का आधुनिक निर्माण किया गया है, जिससे 24 डिब्बे की गाड़ियों के लिए रेल्वे स्टेशन बन गया है। सदस्यों ने बताया कि डॉ. ढालसिंग बिसेन लगातार रेल मंत्री और रेल्वे बोर्ड से मिलकर मांग करते रहे हैं, जिसका असर यह हुआ कि नागपुर मंडल को समय-समय पर फोन आते रहते है, जिससे समस्याओं की जानकारी एवं उनका हल भी हो रहा है।

नागपुर मंडल में प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट एवं मंडला जिले आते है, डॉ. ढालसिंग बिसेन जिस तरह सक्रिय है, उस तरह छिंदवाड़ा और मण्डला के सांसद भी सक्रिय रहे तो विकास तीव्र गति से होगा एवं समस्याओं का निराकरण होगा। सदस्यों को डी.आर.एम.नमिता त्रिपाठी ने बताया जुलाई में नया टाईम टेबिल कई ट्रेनों का डाईवट कर छिंदवाड़ा सिवनी होते हुये चलाया जा सकता है, कई ट्रेनों के प्रस्ताव रेल्वे बोर्ड के पास है, जिसकी स्वीकृति मिलनी बाकी है।

छिंदवाड़ा-नैनपुर-मण्डला तक कभी भी चल सकती

छिंदवाड़ा-नैनपुर ट्रेन कभी भी मण्डला तक चल सकती है, नागपुर मंडल की पूरी तैयारी है। रेल्वे बोर्ड की अनुमति की राह देखी जा रही है।

लखनऊ-जबलपुर को छिंदवाड़ा तक आने से रोका गया

लखनऊ-जबलपुर को छिंदवाड़ा तक कर दिया गया था, जिसका रेल्वे ने टाईम टेबिल भी जारी कर दिया था बताया जा रहा कि जबलपुर के सांसद ने रेल्वे बोर्ड में आपत्ति लगाकर इसे रूकवा दिया। सौंसर के पूर्व मंत्री भाजपा नेता नाना मोहोड़ अपने साथियों सहित रेल मंत्री से मिले और उन्होने लखनऊ-जबलपुर को छिंदवाड़ा चलाने की मांग की है। संभवत: रेल्वे के नये टाईम टेबिल में यह ट्रेन प्रारम्भ हो सकती है।

विद्युत संबंधी शिकायतो और समस्याओ का किया त्वरित निराकरण

सिंगोड़ी। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सिंगोड़ी में आज मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान 2.0 कार्यक्रम को लेकर बिजली विभाग द्वारा विद्युत वितरण केंद्र सिंगोड़ी में लोगो की समस्याओ का समाधान करने शिविर लगाया गया। तो वही बिजली उपभोक्ताओ एवं किसानो से संबंधित समस्याओं के आवेदन लिए गए एवं उसका रिकार्ड को रजिस्टर में संधारित किया गया।वही अधिकांश समस्याओ का बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा शिविर स्थल में त्वरित निराकरण कर उपभोक्ताओं को संतुष्ट किया गया।

मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम की बनाई रूपरेखा

चांद। केन्द्रीय भाजपा नेतृत्व द्वारा मोदी सरकार के सफलतम 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 30 मई से 30 जून तक संपन्न होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं अभियान की कार्य योजना बनाने के लिए चाँद मंडल की मंडल कार्यसमिति की बैठक अम्बेडकर भवन में संपन्न हुई... भारतीय जनता पार्टी चाँद मण्डल की आवश्यक बैठक में मण्डल अध्यक्ष डॉ कामेन्द्र ठाकुर, ठाकुर दान सिंह पटेल नगर परिषद अध्यक्ष चाँद , मण्डल प्रभारी शिव मालवीय , प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा किसान मोर्चा संदीप रघुवंशी, बनवारी महोरे, नौखे श्रीवास, पप्पू पटेल, सहित समस्त 11शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (27 मई ङ्क 31 मई 2023) साफ से हल्के बादल रहने एवं दिनांक 27.05.2023 -29.05.2023 को हल्की बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 38-40 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 47-53 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 26-33 प्रतिशत रहने की संभावना है आने वाले दिनों में हवा पश्चिम एवं उत्तर दिशा में बहने एवं 11-18 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

भारतीय जनता पार्टी नांदनवाड़ी मोर्चा मंडल अध्यक्ष घोषित

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू की अनुशंसा पर एवं नांदनवाड़ी भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल कुमरे की सहमति पर भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर ने महिला मोर्चा नांदनवाड़ी मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुगंधा धुर्वे, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष बीरपाल इवनाती ने नांदनवाड़ी भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष चन्द्रकिशोर कवडेती, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती ज्योति डेहरिया ने नांदनवाड़ी मंडल अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुखराम आरसे को एवं अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष रिजवान कुरैशी ने नांदनवाड़ी अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष शेख अब्बाश खान को नियुक्ति किया है । नियुक्ति पर मोर्चो के पदाधिकारियों ने बधाई प्रेषित की ।

सीवरेज परियोजना कार्य समय पर पूर्ण करें

छिंदवाड़ा। सीवरेज परियोजना की प्रगति के संबंध में कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा सीवरेज का कार्य कर रही लक्ष्मी कंस्ट्रक्शंन के संचालक एवं इंजीनियर को वर्तमान की प्रगति पर असंतोष प्रकट किया गया कलेक्टर द्वारा लक्ष्मी कंपनी को कठोर निर्देश दिये गये कि लेबर एवं मशीनरी बढाकर समय पर कार्य पूर्ण करें एवं कार्य के दौरान स्थानीय नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा का ध्यान रखा जाये। ठेकेदार को निर्देशित किया गया कि कार्य पूर्ण करने हेतु कार्य योजना तैयार कर प्रस्तुत करें। उक्त बैठक में नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह, कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली,डी.पी.एम. ललित धर दिवेदी, ए.पी.एम. राहुल ताम्रकार पी.आई.यू.पी.एम.सी. एन.जी.ओ. एम एण्ड ई. के स्टॉफ उपस्थित थे।

आंगनवाडी में किया पँखा प्रदान

परासिया। नगर की आंगनवाड़ी वार्ड नम्बर 1 में भीषण गर्मी को देखते हुए । वार्ड के समाज सेवी जनाब शगीर शाह जी ने पँखा प्रदान किया । ज्ञात हो कि आंगनवाड़ी केन्द्र में छोटे छोटे बच्चे आते है । एवं गर्मी ज्यादा पड़ने से परेशानी होती है । गर्मी से राहत पाने के लिए पँखा प्रदान किया गया है ।

श्रीमद् भागवत कथा व्यक्ति को भक्ति, ज्ञान और वैराग्य सिखाती है: शास्त्री

कलश शोभायात्रा के 7 दिवसीय भागवत शुरु

बिछुआ। नगर परिषद बिछुआ के वार्ड नंबर 4 स्थित गणेश मंदिर में 7 श्रीमद् भागवत का शुभारंभ किया। कथा में मां बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ छत्तीसगढ के प्रसिद्ध कथावाचक कथा व्यास आचार्य मुकुंद कृष्ण शास्त्री ने श्रीमद् भागवत की महिमा का बखान करते हुए कहा की जीवन में श्रीमद्भागवत कथा हमें क्या सिखाती है आखिर ऐसे आयोजनों से क्या लाभ होता है। इन सवालों के जवाब हमें भागवत शब्द के विच्छेद से पता चलता है। भ से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त से त्याग यानी जिस कथा में भक्ति, ज्ञान, वैराग्य सिखाती उसे श्रीमद् भागवत कथा कहते हैं। ताकि व्यक्ति को त्याग, तपस्या के मार्ग से मोक्ष मिल सके। जिस प्रकार रामायण हमें जीना सिखाती है, महाभारत हमें रहना और गीता हमें कार्य करने का उपदेश देती है उसी प्रकार श्रीमद् भागवत कथा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि हमें जीवन के अंत समय में किस तरह और क्या कार्य करना चाहिए यह सीखने को मिलता है। कथा सुनने बनाने बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी पहुंचे रहें हैं। श्रीमद् भागवत का आयोजन धर्मप्रेमियों के सहयोग से हो रहा है।

जघन्य सनसनीखेज हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

आरोपियों ने लाठी, डंडे से हत्या कर जंगल में छुपा दी थी लाश

छिंदवाड़ा। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश अमरवाड़ा संदीप कुमार पाटिल के द्वारा थाना हर्रई के अपराध क्रमांक 148/2022 में आरोपी अरविंद उर्फ राजा पिता नन्हेलाल कुमरे 20 वर्ष निवासी मरकापठार थाना हर्रई जिला छिन्दवाडा को धारा- 302 भा.द.वि. में आजीवन सश्रम कारावास एवं 5000/-रू का अर्थदण्ड, धारा-201 भा.द.वि. में 3 वर्ष सश्रम कारावास एवं 2000/- रू के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। अभियोजन की ओर से गोपाल कृष्णा हलदार डीडीपी एवं समीर पाठक डीपीओ के मार्गदर्शन में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी (विशेष लोक अभियोजक) कुलदीप सिंह बैस तह. अमरवाड़ा जिला-छिन्दवाडा द्वारा सशक्त पैरवी की गई । अभियोजन अधिकारी कुलदीप सिंह बैस ने घटना के संबंध बताया कि दिनांक 18/05/2022 को प्रार्थी प्रकाश पिता नारायण सिंह घोसी निवासी ग्राम परतापुर ने इस आशय की देहाती नालिसी लेख कराया कि मेरे बड़े पिता का लड़का त्रिलोक उर्फ राजू पिता बलराम घोसी दिनांक 17/05/2022 को सुबह 10.30 बजे ऑफिस जाने का कहकर मोटरसाइकिल से निकला था। देर शाम तक त्रिलोक उर्फ राजू घर वापस नहीं आया तो मेरी भाभी ने मुझे बताया कि तुम्हारे भाई की मोटरसाइकिल बम्हनी रोड पर परतापुर से आगे पुलिया के पास टूटी हालत में पड़ी है तब मैंने वहां आकर देखा। मोटरसाइकिल रोड किनारे टूटी पड़ी हुई थी मैंने आसपास जंगल में त्रिलोक को तलाश किया नहीं मिला तब 18/05/2022 मैं और मेरे परिवार के सदस्य भाई त्रिलोक को ढूंढते हुए बम्हनी आए। बम्हनी में दशरथ गज्जाम के पास जाकर पूछा तो दशरथ गज्जाम ने बताया कि कल दिनांक 17 मई 2022 की दोपहर करीबन 1.30 बजे मेरे खेत के किनारे टोरिया जंगल में दो-तीन लोग लड़ाई झगड़ा कर रहे थे जोर जोर से आवाज आ रही थी। तब मैं और मेरे परिवार के सदस्य दशरथ गज्जाम के खेत की मेड़ के पास गए वहाँ त्रिलोक का शव सागौन के ठूठ के पास चित हालत में पड़ा था।

अनुसंधान के दौरान साक्ष्य से प्रकट हुआ कि घटना दिनांक 17/05/22 को मृतक त्रिलोक द्वारा आरोपी अरविंद की बहन और मां को पत्नी बनाकर रखने की बात कहने पर आरोपी अरविंद एवं एक अन्य अपचारी बालक ने एक राय होकर मृतक की लाठी डंडे से हत्या कर मृतक के शव को जंगल में छुपा दिए।

विद्यार्थियों ने बनाई सुंदर पेंटिंग

28 से जैनत्व संस्कार शिविर का आयोजन

ध्यान सूत्र चित्रकला प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

छिन्दवाड़ा। युवा पीढ़ी तथा बच्चों में नैतिक शिक्षा के साथ सदाचार एवं जैनदर्शन के मुख्य सिद्धांतों के बीजारोपण करने के मुख्य उद्देश्य को लेकर अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित स्वाध्याय भवन में दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन द्वारा विगत 30 वर्षों से श्री वीतराग विज्ञान पाठशाला का संचालन किया जाता है।इसी क्रम में श्रुत पंचमी के शुभ प्रसंग पर पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए ध्यान सूत्र पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने सुंदर पेंटिंग बनाकर सभी का मन जीत लिया। इस चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ स्वाध्याय भवन में बाल ब्रह्मचारणी डॉक्टर आरती जैन, सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक दीपकराज जैन, पाठशाला संचालिका वर्षा पाटनी एवं आर्या जैन के हस्ते किया गया।

ये रहे सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी

ध्यान सूत्र चित्रकला प्रतियोगिता में वीर सचिन जैन, इशित सुमितराज जैन एवं ईशिका मनीष जैन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी रहे। वहीं ग्यारह अंग एवं चौदह पूर्व कण्ठ पाठ प्रतियोगिता में शाश्वत विवेक जैन, गाथा विशाल जैन, धृति राजेश जैन, ईर्या विराग शास्त्री जबलपुर एवं गाथा सौरभ शास्त्री इंदौर सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी रहे, जिन्हें मण्डल एवं फेडरेशन द्वारा सम्मानित किया गया।

28 से लगेगा जैनत्व संस्कार शिविर

फेडरेशन के प्रांतीय मीडिया प्रभारी दीपकराज जैन ने बताया कि सकल जैन समाज के बच्चों में संस्कारों सहित जैनदर्शन के सिद्धांतों का बीजारोपण करने के मुख्य उद्देश्य को लेकर मण्डल, फेडरेशन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के सँयुक्त तत्वावधान में रविवार 28 मई से वीतराग भवन कोआपरेटिव बैंक के सामने गोल गंज में आठ दिवसीय जैनत्व संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जो आगामी 4 जून 2023 तक चलेगा। जिसमे राष्ट्रीय विद्वान पण्डितश्री डॉ. मनीषजी शास्त्री मेरठ, पं. विरागजी शास्त्री जबलपुर, पं. संजयजी शास्त्री इंदौर, पं. अमन शास्त्री आरोन, पं. रूपेंद्र शास्त्री छिन्दवाड़ा, पं. प्रांजल शास्त्री मुम्बई, पं. अंकुर शास्त्री खरेडी, पं. मयंक शास्त्री बंडा एवं पं. निखिल शास्त्री इंदौर नई तकनीकी द्वारा प्रात: 7 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक विविध कक्षाओं सहित आयोजनों द्वारा शिविरार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण कराएंगे। जिसका लाभ लेने की अपील सकल जैन समाज से मण्डल एवं फेडरेशन द्वारा की गई है।

देवर्धा काराघाट से जटलापुर तक का बनेगा सड़क मार्ग

छिंदवाड़ा। देवर्धा काराघाट के ग्रामवासी को जटलापुर जाने के लिए काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा है ग्रामवासियों ने अपनी समस्या से भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष से अवगत कराया मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत बिछुआ पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भाजपा जिलाध्यक्ष ने इस बात से अवगत कराया। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्यवाही करते हुए इसकी स्वीकृति प्रदान की तथा बजट में भी आवंटन करवाया। इससे ग्रामवासियों में हर्ष व्याप्त है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने देवर्धा काराघाट से जटलापुर तक 25 लाख से बनने वाली सड़क मार्ग का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार गांव गरीब और किसानों की सरकार है अब देवर्धा काराघाट निवासियों को जटलापुर जाने के लिए मुसीबत का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम आने वाली 10 तारीख से लाडली बहना योजना के तहत 1000 रूपये देने जा रहे है गांव की 409 बहनों को इसका लाभ मिलेगा साथ ही उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत गांव के 1240 हितग्राही भी 5 लाख तक का ईलाज मुफ्त में करा सकते है। नगर के बाद हम ग्रामीण युवतियों के लिए भी ड्राइविंग लाइसेंस शिविर प्रारंभ करने जा रहे है। इससे बेटियों को लाइसेंस बनवाने के लिए चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान 0.2 के तहत सरकार की सभी योजनाओं के लिए आप आवेदन कर सकते है समय सीमा में इनका निराकरण किया जाकर हितग्राहियों को लाभ प्रदान किया जाएगा । आगे उन्होंने कहा कि माचागोरा बांध बनने से किसानों की आमदानी बढ़ी है हर खेत को सिंचाई तथा बिजली मुहिया कराना भाजपा सरकार का संकल्प है ।

निगम सीमा में प्रात: 6 से रात्रि 10 बजे तक भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती शीतला पटले द्वारा छिंदवाड़ा शहर में भारी वाहनों के कारण आये दिन गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात के सुचारू संचालन के लिये जिला सड़क सुरक्षा सुरक्षा समिति की बैठक में गत दिनों सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय के परिप्रेक्ष्य में जनहित में सार्वजनिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 115 और म.प्र. मोटर यान नियम 1994 के नियम 215 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये छिंदवाड़ा नगर पालिक निगम सीमा में प्रात: 6 से रात्रि 10 बजे तक भारी माल वाहक जैसे ट्रक/डम्फर, मध्यम भार क्षमता के ट्रक, कृषि कार्यों से भिन्न प्रयोजन के प्रयोग में लाये जा रहे ट्रेक्टर आदि भारी वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया गया है । इस अवधि में प्रतिबंधित वाहन आवागमन के लिये बायपास मार्गो का उपयोग कर सकेंगे ।कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती पटले द्वारा जारी आदेश के अंतर्गत विशेष परिस्थितियों में विभागीय अधिकारी की अनुशंसा पर वाहन विशेष को निश्चित समय में छूट प्रदान किये जाने के लिये अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी छिंदवाड़ा को अधिकृत किया गया है । आवश्यक सेवाओं में लगे पुलिस तथा आर्मी के वाहन, निगम के वाहन फायर बिग्रेड, पानी टेंकर, कचरा गाड़ी आदि, निर्वाचन कार्यों में लगे वाहन, विद्युत मण्डल के कार्यों में संलग्न वाहन, एल.पी.जी./ पेट्रोलियम पदार्थ वाहन, स्वास्थ्य सेवाओं में लगे वाहन, बैंकों में लगे वाहन और शासकीय खाद्यान्न एवं उर्वरक परिवहन में लगे वाहनों को इस प्रतिबंधित आदेश से पूर्णत: मुक्त रखा गया है।

वन मंत्री ने पातालकोट में रात्रि चौपाल लगाकर सुनी जनजातीय ग्रामीणों की समस्यायें

ग्रामीणों के साथ किया रात्रि भोज

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के वन मंत्री डॉ.कुंवर विजय शाह गत दिवस रात्रि में जिले के आदिवासी विकासखंड तामिया के पातालकोट पहुंचे और ग्राम चिमटीपुर में रात्रि चौपाल लगाकर भारिया जनजाति समुदाय के लोगों से चर्चा की। उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी प्राप्त की और उनकी समस्यायें सुनते हुए हर संभव निराकरण के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी ग्रामीणों के साथ गेंडी नृत्य किया और रात्रि चौपाल के बाद ग्रामीणों के साथ रात्रि भोज भी किया। वन मंत्री डॉ.शाह ने ग्रामीणों की जीवनचर्या को जीवंत रूप में महसूस करने और समझने के लिये उन्हीं के बीच नवीन आदिवासी बालक आश्रम के छात्रावास में रात्रि विश्राम किया।

मैं सौदे की कुर्सी में नहीं बैठना चाहता था: कमलनाथ

भाजपा, गोंडवाना को आगे करेगी सावधान रहे भाजपा ने अब तक केवल गुमराह किया है: नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ ने आज जिले के तीन विकासखण्डों मोहखेड़, बिछुआ व हर्रई में जनसभाओं को सम्बोधित कर भाजपा की नाकामियां गिनाते हुये प्रदेश सरकार को जमकर घेरा जहां एक ओर पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव मप्र का भविष्य निर्धारित करेगा तो वहीं सांसद नकुलनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार ने जिले व प्रदेश की जनता को केवल गुमराह किया है।

ग्राम हीरावाड़- मोहखेड़ विकासखण्ड के ग्राम हीरावाड़ी में आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये श्री कमलनाथ ने कहा कि जिले व प्रदेश का नक्शा आपके सामने हैं कि किस तरह से हमने यह विकास का रास्ता तय किया है। बुजुर्गों ने बिना बिजली, पानी, सड़क के अपना जीवन गुजार दिया परन्तु आज की युवा पीढ़ी में एक तड़प है उसे कुछ नहीं सिर्फ हाथों को काम चाहिये। श्री नाथ ने कहा कि हमने वादे निभाये हैं, किसानों का कर्जा माफ हुआ, एक हजार गौशालायें बनी और भी वचन पूरे होते परन्तु भाजपा ने खरीद फरोख्त कर सरकार गिरा दी, और मैं सौदे की कुर्सी पर नहीं बैठना चाहता था। श्री नाथ ने आगे कहा कि हमारे जिले का आदिवासी समाज बहुत जागरूक है वह भाजपा की कलाकारी की राजनीति को समझता है। इस चुनाव में भी भाजपा आदिवासी समाज की आड़ में गोंडवाना को आगे करेगी इससे सावधान रहना होगा।इस अवसर पर सांसद नकुलनाथ ने नारी सम्मान योजना की विस्तृत जानकारी देते हुये समस्त महिलाओं से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कमलनाथ जी की सरकार के रहते 100 यूनिट बिजली माफ थी अब इसके साथ ही 200 यूनिट बिजली हाफ होगी और पेंशन राशि हजार रुपये दी जावेगी साथ ही पूरे वचन निभाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा आपका परिवारिक संबंध है। भाजपा फिर से नये हत्थकंडे अपनाकर गुमराह करेगी, आपको भाजपा को खुलकर मुंह तोड़ जवाब देना है। आयोजित सभा में क्षेत्रीय विधायक निलेश उइके, पूर्व विधायक जतन उइके, कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, प्रभारी नंदकिशोर, सूर्यवंशी पर्यवेक्षक योगेश चौरसिया, रहन शा युवनाती व दुबेलाल चंद्रवंशी सहित अन्य कांग्रेस नेता व हजारों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित हुये।**ग्राम कढैया** बिछुआ विकासखण्ड के ग्राम कढैया में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुय कमलनाथ ने कहा कि जिले में बहुत परिवर्तन आया है। पुरानी पीढ़ी गवाह है कि हर्रई, बिछुआ व तामिया सहित अन्य ब्लॉकों की स्थिति क्या थी और आज पातालकोट के आदिवासी जीन्स टी शर्ट पहन रहे हैं। परन्तु फिर भी हमारे युवा अपने अधिकारों से वंचित है इनका भविष्य अंधकार में है और इसकी सबसे ज्यादा पीड़ा वे मातायें झेल रही है जिन्होंने इन्हें बडी तकलीफों में पाल पोसकर बड़ा किया है। श्री नाथ ने कहा कि यह युवा पीढ़ी हमार प्रदेश व देश का भविष्य है और इनका भविष्य बचना हमारा सबसे पहला कर्तव्य है।

अब आयुष्मान कार्ड धारियों को मिलेंगे पीवीसी कार्ड

भोपाल। आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के परिवारों को सालाना पांच लाख तक का उपचार मुहैया कराने वाली आयुष्मान भारत योजना के पात्र हितग्राहियों को अब पीवीसी कार्ड दिए जाएंगे। मप्र में इस योजना के जरिए 4 करोड़ 70 लाख पात्र हितग्राहियों को कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्रों के जरिए पीवीसी कार्ड दिए जाएंगे।

पीवीसी कार्ड प्रिंट कर ग्रामीणों को देने के लिए जनपद पंचायत के सीईओ स्तर तक वितरण किया जाएगा। इस काम के लिए चयनित एजेंसियां अधिकारियों के पते पर कार्ड पहुंचाएंगी। इसके बाद स्थानीय आशा कार्यकर्ता, ग्राम रोजगार सहायकों के जरिए हितग्राहियों को नए पीवीसी प्रिंटेड आयुष्मान कार्ड दिए जाएंगे। इसके लिए आशा और रोजगार सहायकों को प्रति आयुष्मान कार्ड के हिसाब स्र प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

एक करोड़ कार्ड वितरण का कार्यक्रम

आयुष्मान योजना के पात्र हितग्राहियों को पीवीसी युक्त कार्ड वितरण का कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुरु किया जाएगप। इसके लिए जल्द ही तारीख तय कर प्रदेश में एक करोड आयुष्मान कार्ड वितरित किए जाएंगे।

कांग्रेसजनों ने पुण्य तिथि पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा के समक्ष पहुंच कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

मप्र विवि पेंशनर्स कर्मचारी अधिकारी एवं शिक्षक संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया।

केचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण

दीवार बना रहा फेथ बिल्डर

प्रशासन को की शिकायत

भोपाल। एक तरफ प्रशासन कैचमेंट क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रहा है, वहीं दूसरी ओर फेथ बिल्डर द्वारा हुजूर तहसील के अंतर्गत कुशलपुरा केरवा डेम केचमेंट एरिया की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है जिस पर दीवार बनाई जा रही है। इस मामले की शिकायत जितेंद्र तिवारी द्वारा तहसीलदार हुजूर को की गई है। शिकायतकर्ता ने बताया हैं कि उसकी भूमि के आगे केरवा डैम का बैकवाटर का कैचमेंट जो की उसकी रजिस्ट्री में भी अंकित है पर लगभग 4 फिट केचामेंट एरिया की भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। इस द्वारा से केरवा के पानी का निकलने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो जायेगा। शिकायत के साथ वीडियो भी डाला गया है, जिसमें जेसीबी मशीन से कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि फेथ बिल्डर के खिलाफ पूर्व में भी प्रकरण दर्ज हुए हैं, जिसमें बिल्डर को जेल भी जाना पड़ा था। इस संबंध में तहसीलदार चंद्रशेखर से संपर्क किया गया, परंतु उनसे चर्चा नहीं हो सकी।

सेवनिया गौंड में अतिक्रमण से मुक्त कराई 352 करोड़ की शासकीय भूमि

लीज सप्त होने के बाद भी खाली नहीं की थी भूमि

भोपाल। अतिक्रमण मुक्त शहर के तहत जिला प्रशासन और नगर निगम ने आज संयुक्त कार्यवाही की । यह कार्यवाही टी टी नगर वृत्त के अंतर्गत सेवनिया गौंड में की गई जहां पर पूर्व से 20 एकड़ शासकीय भूमि की लीज निरस्त पर कब्जा था

जिसकी कीमत लगभग 352 करोड़ बताई जा राहिभाई। जिला प्रशासन ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए कमर कस ली है। शहर में बेस कीमती भूमि पर दबंग लोगोंको द्वारा किया हुआ उन सभी पर प्रशासन कार्यवाही कर रहा है। उसी क्रम में आज शनिवार 27 मई को कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर कार्यवाही की गई । शहर के टीटी नगर वृत्त के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेवनिया गौंड जो कि न्यायिक अकादमी के पीछे सेर सपाटा के पास है वहां पर 20 एकड़ जमीन की लीज वर्ष 2019 में समाप्त हो गई थी। यह भूमि पूर्व में हर्ष गोकुलदास के नाम से आवंटित थी । लीज समाप्त होने वाले बाद भी कब्जा किया हुआ था जिसे नोटिस देने के बाद भी खाली नहीं किया गया था । वर्तमान में उक्त भूमि की शासकीय मूल्य लगभग 352 करोड़ रुपए है। जिसे आज एसडीएम टी टी नगर श्री संतोष, तहसीलदार अविनाश मिश्र ,नगर निगम के अमले ने कार्रवाई कर 20 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। उक्त भूमि का कब्जा लेकर जिला प्रशासन द्वारा पुनर्स्थापन किया जायेगा। इस दौरान अतिक्रमण स्थल पर जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कूली छात्रों को अगले सत्र से पढ़ाया जाएगा आनंद का पाठ

इंदौर। नए शिक्षा सत्र में स्कूली छात्रों को सरकार आनंद का पाठ भी पढ़ाएगी। इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करने का स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्णय ले लिया है। इसे पाठ्यक्रम में शामिल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। बताया जा रहा है कि इसकी शुरुआत सीएम राइज स्कूल और एक्सीलेंस स्कूलों से की जाएगी।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार 9वीं से 12वीं तक छात्रों को स्वयं की शक्ति से परिचय और परिवार, समाज व प्रकृति के साथ सामंजस्य के टिप्स समझाए जाएंगे। राज्य आनंद संस्थान और स्कूल शिक्षा विभाग ने चारों कक्षाओं का नया पाठ्यक्रम डिजाइन करने के साथ ही 500 से अधिक टीचरों को इसकी ट्रेनिंग भी दी जा रही है। इससे संबंधित सभी किताबें भी प्रकाशित की जा चुकी हैं।

बताया जा रहा है कि हर शनिवार को एक घंटे से अधिक समय तक इस नए पाठ्यक्रम की क्लास लगाई जाएगी। इसमें छात्र पर्यावरण को सहेजने और उसकी सुरक्षा करने के संबंध में भी किताबों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। हालांकि सूत्र बताते हैं कि इसे मूल्यांकन का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा।

आपत्तियों का निराकरण नहीं होने से बोलीकर्ता असमंजस की स्थिति में

भोपाल। राज्य लोक सेवा अभिकरण द्वारा प्रदेश के कई जिलों में एलएसके के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है जिसको लेकर बोली कर्ताओं की जिला स्तर पर प्री बिड मीटिंग बुलाई गई थी, जिसका उत्तर राज्य लोक सेवा अधिकरण को देना था, किंतु उत्तर समय पर नहीं दिए जाने से संचालकों में असमंजस और असंतोष है। वही निविदाओं को लेकर हर जिलों में अलग-अलग स्थिति है जबकि एलएसके का मॉडल एक ही है। संचालकों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से मांग की है कि उनका कार्यकाल बढ़ाया जाए क्योंकि उन्हें कोरोना काल में सही तरीके से काम करने का मौका नहीं मिला। सभी जिले के संचालकों ने मंत्री जी से मांग भी की थी कि उनका कार्यकाल बढ़ाया जावे जिसको लेकर मंत्री जी ने विभाग को पत्र भी लिखा था।

सहायक प्रबंधक ने कमा लिए 15 साल में दस गुना, ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया प्रकरण

भोपाल। कृषि साख सहकारी समिति के एक सहायक प्रबंधक ने अपनी 15 साल की नौकरी में 10 लाख रुपए वेतन प्राप्त किया और इन सालों में उसने एक करोड़ रुपए से ज्यादा व्यय कर लिया। ईओडब्ल्यू ने जांच के बाद सहायक प्रबंधक रज्जन सिंह दांगी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार दतिया जिले की कृषि साख सहकारी समिति अकोला के सहायक प्रबंधक के पद पर रज्जन सिंह दांगी पदस्थ हैं। उनके खिलाफ ईओडब्ल्यू में कुछ महीनों पहले शिकायत हुई थ। शिकायत की जांच में पाया गया है कि दांगी ने वर्ष 2007 से 2022 तक की अपनी नौकरी में 9 लाख 97 हजार 200 रुपए वेतन और भत्तों से प्राप्त किया। जिसमें उनकी कुछ बचत 6 लाख 64 हजार रुपए मानी गई। इस दौरान दांगी ने अपने नाम पर ग्राम डगरई, ग्राम सेमई में 0.61 हेक्टेयर भूमि खरीदी। अपने बेटे अभय दांगी के नाम से ग्राम सेमई में 0.64 हेक्टेयर और 0.81 हेक्टेयर भूमि खरीदी। अपनी पत्नी उषा दांगी के नाम से सेमई में 0.09 हेक्टेयर, 1.29 और 0.962हेक्टेयर भूमि खरीदी। पत्नी के नाम से दतिया में प्लॉट खरीदा। ईकोस्पोर्ट कार खरीदी। इस तरह करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादा का इंवेस्ट दांगी ने किया। फिलहाल एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री चौहान से राजपत्रित अधिकारी संघ के पदाधिकारी मिले

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आज समत्व भवन में मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रतिनिधि-मंडल ने भेंट कर विभिन्न सुझाव दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट करने वालों में संघ के अध्यक्ष डीके यादव, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, महासचिव एचएन त्रिपाठी, सचिव संतोष कुमार और कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी शामिल थे।

बच्चों को डिज़ाइन की दुनिया जानने समझने का सुनहरा मौक़ा, एनआईडी द्वारा आवासीय डिज़ाइन शिविर

भोपाल। भोपाल स्थित राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मध्यप्रदेश द्वारा बच्चों को डिज़ाइन की दुनिया से रूबरू कराने और उनकी प्रतिभा निखारने, संवर्धित करने की एक अभिनव पहल की जा रही है। एन आई डी द्वारा सात दिवसीय डिज़ाइन शिविर आयोजित किया जारहा है जिसमे डिज़ाइन उत्साही बच्चे और युवा शामिल हो सकते हैं। स्पिकमैके के सहयोग से आयोजित ये शिविर सोमवार, 5 जून से रविवार 11 जून तक अचारपुरा स्थित राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान के परिसर में होगा।

डिज़ाइन शिविर के बारे में जानकारी देते हुए इसके संकल्पक और एन आई डी, भोपाल के निदेशक प्रोफ़ेसर धीरज कुमार ने बताया कि इस तरह का आवासीय शिविर भारत में किसी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा सम्भवतः पहली बार आयोजित किया जा रहा है जिसमे

बच्चे कई तरह की कलात्मक और जीवनोपयोगी गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे। प्रोफ़ेसर कुमार ने बताया कि एन आई डी के सुंदर परिसर में रहकर बच्चे सुरम्य प्रकृति और डिज़ाइन माहौल से परिचित हो सकेंगे जिससे भले ही वो भविष्य में डिज़ाइन को कैरियर विकल्प न चुनें फिर भी उनकी कलात्मक अभिरुचि और डिज़ाइन की समझ विकसित हो सकेगी जो हमेशा उपयोगी होगी।

शिविर के समन्यवक डॉ. शबरीधरन के अनुसार इस शिविर में टाई एन्ड डाई, टेक्सटाइल वीविंग, कैलीग्राफ़ी, फ़ोटोग्राफी, ग्राफ़िक डिज़ाइन मैजिक, पॉटरी, बुक रीडिंग, व्याख्यान, स्ट्रीटेललिंग सहित कई वर्कशॉप और गतिविधियाँ होंगी। रोज़मर्रा की चीज़ों को ख़ुद ही दुरस्त करने के लिए रिपेयर वर्कशॉप और पद्मश्री दुर्गाबाई व्याम द्वारा गोंड परधान पेंटिंग वर्कशॉप आकर्षण होंगे। इसके अलावा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और खेल भी होंगे।

इस शिविर में आठवीं कक्षा के ऊपर का मध्यप्रदेश का कोई भी विद्यार्थी निर्धारित शुल्क का भुगतान कर भाग ले सकता है। उम्र का कोई बंधन नहीं है। शिविर में शामिल होने के लिए एनआईडी भोपाल की वेबसाइट पर पंजीयन किया जा सकता है।